

Don't Do

Do's

18

19

Note

Precautions



BOTTLE GOURD PACKAGE OF PRACTICES

Congratulations! You have chosen one of the finest Bottle Gourd seeds from the Crystal family. Crystal has solid experience in producing high-quality Bottle Gourd seeds. These seeds are the result of extensive research, aimed at developing high-yielding hybrid crops suitable for diverse agricultural climates. Crystal adopts the latest technologies during seed production to ensure that farmers receive seeds of the highest quality. Crystal's Bottle Gourd seeds provide excellent germination & better Vigor with tolerance to biotic & abiotic stresses. Kindly adopt the best farming practices to get outstanding yield. The following general recommendations are provided, so we kindly ask you to read these recommendations before making any decisions.

making any decisions.													
Bottle Gourd Hybrid	Super Bottle, Mrudula	Ankit, SPS-02			1								
Duration	120-130 DAS	120-130 DAS			-		1	1					
Kharif	yes	yes											
Rabi	yes	yes								ļ			
Spring	yes	yes		 	_			 	ļ	ļ	ļ		
Source of Irrigation	Borewell	Borewell		11		<u> </u>		1:00					
S. No.	Particulars/ operations/Pract	note according to we	ather con	aitions cr			input per						
	, <u>*</u> ,					-							
1	Suitability of the area/Agro-o	limatic zone			with day 30 emp should			ight temp i	s good for g	growth and			
2	Land. Soil				Well drain	ned sandy 1	oams and a	lluvial soils	s. Soil Ph 5.	5 to 6.5 is ic	leal.		
3	Season. Sowing/planting tim	e			Oct-Nov in hilly areas		d central Inc	lia. Jan-Feb	-June-July	in Maharas	htra .April -	-May in	
4	Seed rate/ acre				1.5-2.0 kg/	acre acre							
4	Sowing/planting method.				Canal method/ by staking method								
5	Preparation of Main field and	planting			* Form so * Apply ba * Irrigate t * Dibble tv	Apply 10 tonnes of decomposed FYM followed by harrowing to mix in the soil. * Form sowing canals * Apply basal dose of fertilizers in sowing canals and cover the fertilizer * Irrigate the field two day prior to sowing. * Dibble two seed per hill, immediately give light irrigation for quick and better Germination							
6	Spacing						40-300cm; I taked with l				n. between :	rows 30	
7	Seed treatment before sowing	5			Seed is tre	ated with (Gaucho (Im	ido) 2 ml/k	g				
8	Manures and Fertilizers				* First top	* Basal dose before sowing: 30:40:40 Kg NPK * First top dressing 30 days after sowing: 30kg N * Second top dressing after first pick: 25 kg N							
9	Irrigation schedule				Irrigate the field depending on soil type. Light and frequent irrigation once in 5-6 days interval is ideal. Ensure sufficient moisture at root zone especially during flowering fruit stage.								
10	Weeding/ inter cultivation				Two hand weeding is required. Keep plots free of weed. Earthing up at 30 and 60 days after sowing. Vine guiding is a crucial aspect								
11	Micronutrient/growth regula	itor sprays			Spray multiplex 1g/litre during fruiting stage Micronutrient 1g/litre during flowering period								
12	Pest and Disease control		Downy mi Leaf miner Red pump Thrips / A Fusarium Fruit fly: U	Powdery Mildew: Tebuconazole 50% + Trifloxystrobin 25% WG (0.5 to 1 gm per liter) Downy mildew: Tebuconazole 50% + Trifloxystrobin 25% WG (0.5 to 1 gm per litre) Leaf miner: Abamectin 1.8% EC (0.5 to 1 ml/litre) Red pumpkin beetle: Deltamethrin 5.56 % w/w SC (0.5 ml/litre) Thrips / Aphids : Flonicamid 50 % WG (0.5 gm/litre) Fusarium Wilt: Drench with Carbendazim (1gm/litre) Fruit fly: Use pheromone traps. Delta mithrin 1ml/litre For more information to control & disease in field, please consult your local agriculture officers.									
13	Harvest				Fruits ready for harvest 65-70DAS. Harvest tender fruits once in 3-4 days.								
15	Expected yield				Yields 10-12 tons/acre fruits from a well managed crop.								
17	Storage				Harvest ea	arly in the r		eep it under	r shade to n	narket with	in 5-7 days. fe	Store in a	
	<u> </u>												

don't use Sulphur based chemicals.

The above information is a general advisory. For specific recommendations related to particular region, please contact your local State Agriculture Department

Crop growth and yield can be affected by various factors. Therefore, it is recommended to consult your local agricultural officer for advice. Ensure that only high-quality fertilizers and pesticides are used. Retain the bills for the purchase of seeds, fertilizers, and pesticides.





लौकी की खेती का तरीका

क्याई हो! आपने किरत्ल परिवार के बेहतरीन लौकी बीजों में से एक को चुना है। किरत्ल के पास उच्च गुणवना वाले लौकी बीज उत्पादन का व्यापक अनुभव है। ये बीज व्यापक शोध के फलस्वरूप तैयार किए गए हैं, ताकि अलग-अलग खेती की परिस्थितियों में अधिक उपज देने वाली हाइब्रिड फसलें विकसित की जा सकें। किरत्ल कंपनी बीज निर्माण में आधुनिक तकनीकों को उपयोग करती है, जिससे किसानों को उच्च गुणवना वाले बीज मिल सकें। किरत्ल के लौकी बीज उच्च अंकुरण और मजबूत विकास के साथ बैविक और अवैविक तनाव सहन करने में सक्रम हैं। बेहतरीन परिणाम प्राप्त करने हेतु खेती के अनुशंसित तरीकों को अपनाएं। आगे कुछ सामान्य सुझाव दिए जा रहे हैं, इसलिए हम आपसे विनम्रतापूर्वक अनुरोध करते हैं कि फैसला लेने से पहले कृपया इन्हें अच्छी तरह पड़ लें।

हाइब्रिड लौकी	हाइब्रिड. सुपर बॉटल, मृदुला	अंकित, हाइब्रिड. मुदुला_, हाइब्रिड. एसपीएस-०२														
अवधि	120-130 DAS	120-130 DAS			İ											
खरीफ	हाँ	हाँ														
रबी	हाँ	हाँ			 		L		 -	 						
वसंत	हाँ	हाँ			}					 						
सिंचाई कास्रोत	बोरवेल	बोरवेल	- ATTEN	र ध्यान गर्ने	कि जसवार	की किल्ली के	#### TEN	स विक्रिकीयः	परिपक्त कोने	का समाग्र शह	। ग-अलग हो सकता है					
	विवरण/ संचालन/		2014			पत एकड़ लाग् प्रति एकड़ लाग		લ પૃાક્ષ ખાર	नारमझ हाग	नग त्तनप जल	ग-जन्म हा सम्या ह					
क्रम सं.	विवरण/ संवालग/	वराका		कायत्रणाला	काषवरणाः	शास एक इस्ता	40									
1	क्षेत्र की उपयुक्तता /	कृषि-जलवायु क्षेत्र		30–35 ⁰ C ਵਿ	हेन और 18–2	2 ⁰ C रात के त	ापमान वाला ल	ांबे समय तक ग	ार्म मौसम पौध	ों की वृद्धि औ	r फलन के लिए अनुकूल होता है। न्यूनतम तापमान 18 ⁰ C से कम नहीं होना चाहिए					
2	भूमि। मिट्टी			अच्छीजलनि	नेकासी वाली ने	रेत-युक्त दोमट	और तलछट मि	ही। आदर्श मि	ट्टीका pH 5.5	⊢6.5 होना च	हिए।					
3	मौसम। बुवाई/रोपा	ई का समय		दक्षिण और म	ाध्य भारत के वि	लेए अक्टूबर-न	तवंबर। महाराष्ट्र	में जनवरी–फ	रवरी और जून	–जुलाई, पहाः	ी क्षेत्रों में अप्रैल-मई					
4	प्रति एकड़ बीज की	मात्रा		1.5-2.0 किर	ग्ना/ एकड़											
4	बुवाई/रोपाई का तर	रीका।		नहर के माध्य	म से / खंभे ल	गाकर										
5	मुख्य खेत की तैयार्र	ो और रोपाई		10 टन सड़ा हुआ गोबर डालें और हल चला कर मिट्टी में ठीक से मिला दें। * बीब बोने के लिए चैनल बनाएँ चुबाई चैनलों में आधार खुराक के रूप में उर्बरक डालें और सिट्टी से डक दें। * बीज बोने से दो दिन पहले बेतन में पानी दें। * हर मेड़ पर दो बीज बोएँ और तुरंत थोड़ा पानी से सिंचाई करें, जिससे बीज तेज़ी से अंकुरित हों।												
6	पौधों के बीच दूरी			पंक्ति से पंक्ति	क्ति से पंक्ति (कताल) 240–300 सेमी; प्रत्येक पीधे की दूरी 45 सेमी – जमीन पर, पंक्तियों के बीच 150 सेमी; पीधों के बीच 30 सेमी – बांस के डंडे से सहारा देकर ऊपर की और चढ़ाएं।											
7	बुआई से पहले बीज	उपचार		Gaucho (Imido) 2 मिली/किग्रा से बीज का उपचार करें												
8	जैविक और रासार्या	नेक उर्वरक		' बीज बोने से पहले आधार खुराक: 30:40:40 किग्रा NPK ' बुवाई के 30 दिन बाद पहली टॉप ड्रेसिंग: 30 किग्रा नाइट्रोजन ' पहली फसल कटाई के बाद दूसरी टॉप ड्रेसिंग: 25 किग्रा नाइट्रोजन												
9	र्सिचाई कार्यक्रम			मिट्टी के प्रकार के अनुसार खेत की सिंचाई करें। 5-6 दिन के अंतराल पर हल्की और नियमित सिंचाई करना उत्तम है। फूल आने और फल लगने के समय जड़ों के आसपास पर्याप्त नमी सुनिश्चित करें।												
10	गुड़ाई और खेत की	बीच-बीच में जुताई		दो बार हाथ से खरपतवार निकालना जरूरी है। खेत में किसी भी तरह का खरपतवार न होने दें। 30 और 60 दिन के बाद पौधों के आसपास मिट्टी भरें। बेल को सही दिशा में बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है												
11	पोषक तत्व और वि	कास नियामक का छिड़काव		कतों के विकास के दौरान 1 ग्राम/नीटर मन्दीप्लेक्स का छिड़काव करें और फूल लगने के समय 1 ग्राम/नीटर पोषक तत्वों का छिड़काव करें												
12	कीट-पतंग और रोग	- नियंत्रण		पाउडरी मिल्ह्यू : टेबुकोनाहोल 50% + ट्राइफ्लोक्सिस्ट्रोबिन 25% WG (0.5-1 ग्राम/लीटर) इाउनि मिल्ह्यू : टेबुकोनाहोल 50% + ट्राइफ्लोक्सीस्ट्रोबिन 25% WG (प्रति तीटर 0.5-1 ग्राम) पत्ती बाले बोट: एवसोक्टिटन 1.5% EC (0.5-1 क्रिसी/लीटर) देढ पंगीकन बीटल : केल्ट्रमीकिन 5.5% wiw SC (0.5 मिली/लीटर) व्रियन और एफिड: फ्लोन्किशिक 5.5% wiw SC (0.5 मिली/लीटर) प्रयुजेरियम बील्ट रोग के नियंत्रण के लिए कार्बेट्डाकिस (1 ग्राम/लीटर) से मिट्टी का उपचार करें फल मक्की नियंत्रण के लिए फेरोमोन ट्रेस लगाएँ। 1 मिली/लीटर दर से डेल्ट्रमैंक्रिन का छिड़काव करें खेत में गोस और खीट नियंत्रण के ग्रंबंध में अफिक जानकारी के लिए अपने नजदीकी कृषि अधिकारियों से मलाह लें।												
13	फसल काटना			फलों की कटा	ई 65-70 दिन	न (DAS) में की	ो जा सकती है।	कोमल फलों	को 3–4 दिन	के अंतराल पर	नोडें।					
15	अनुमानित उपज			उत्तम प्रबंधन	और अनुकूल प	गरिस्थितियों में	ंफसल से 10–	12 टन/एकड़ प	कल मिल सकते	r हैं।						
17	भंडारण			फलों को सुबह	ह के समय तोड़े	हैं। फसल को छ	शयामें रखें और	5 – 7 दिन के	अंदर इसे बेच	इं। इसे 12 – 13	°C तापमान और 85-90% नमी वाली ठंडी जगह पर स्टोर करें ताकि भंडारण जीवन वढ़ सके।					
18	क्यान करें			सल्फर युक्त वे	मिकल का इस	तेमाल न करें।										
19	क्या करें															
नोट		सामान्य जानकारी के लिए है। विशेष क्षे	त्र से जड़ी अनशंस	। ।ओंकेलिएक	पया अपने संस	iधित राज्य की	षे विभाग से सं	पर्ककरें।								
110									1 THE TOTAL	- 	र गुणवत्ता के उर्वरक और कीटनाशक ही इस्तेमाल हों। बीज, उर्वरक और कीटनाशक की खरीद के बिल अपने पा					
सावधानियौँ	फसल वृद्धि आर उप रखें।	। जनर जनग-अलग तत्वाका प्रभाव पड़	चक्ताहा अतः सर	लाहहाक सुझ	नाम कालए अ	াৰণ শতাহাকা গ্	कृत्य आध्यकारा	स परामश कर	। यह सुनगश्चर	। चराक पहत	र पुण्यता क उपरक्त जार काटनाराक हा इस्तमाण हा। बाज, उपरक जार काटनाराक की खरीद के बिल अपने प 					





दुधी भोपळा: पीक व्ययस्थापन पद्धती

अभिनंदन! तुम्ही क्रिस्टल कुटुंबातील सर्वोत्तम दुधी भोपळा वियाण्यांपैकी एक वियाणे निवडले आहे. क्रिस्टलला उच्च दर्जाचे दुधी भोपळ्याचे वियाणे तयार करण्याचा चांगला अनुभव आहे. विविध कृषी हवामानासाठी योग्य उच्च-उत्पादन देणारी संकरित पिके विकसित करण्याच्या उद्देशाने केलेल्या व्यापक संशोधनाचे परिणाम म्हणजेच हे वियाणे. शेतकऱ्यांना उच्च दर्जाचे वियाणोमळा वेयाणांमळे, जैविक आणि अजैविक ताण सहन करण्याच्या शक्तीसह पिके जोमाने उगवतात आणि वाढतात.

ुर्जु उत्पादन मिळविण्यासाठी कृपया सर्वोत्तम शेती पद्धतींचा अवलंब करा. खाली सामान्य शिफारसी दिल्या आहेत, त्यामुळे कोणताही निर्णय घेण्यापूर्वी आम्ही तुम्हाला या शिफारसी वाचण्याची विनंती करतो.

दुधी हायब्रीड	हाइब्रिड. सुपर बॉटल, मृदुला	बंकित, हाइब्रिड. मृदुला_, हाइब्रिड. एसपीएस-०२											
कालावधी	120-130 दिवसानंतर	120-130 दिवसानंतर											
खरीप रब्बी	होय होय	होय होय	 										
वसंत ऋतू	होय होय	होय होय	<u> </u>										
सिंचनाचा स्रो	बोअरवेल	वोअरवेल											
अनु. क्र.	तपशील/कामकाज/		भया नोंद घ्या की, हवामानाच्या परिस्थितीनुसार पिकाची वाढ आणि परिपक्वता वेगवेगळी असू शकते. कार्याचे तपशील. प्रति एकर उत्पादन										
1	क्षेत्राची योग्यता/ कृष		दिवसाचे तापमान 30-35° सेल्सिअस आणि रात्रीचे तापमान 18-22° सेल्सिअस असावे. वाढीसाठी आणि फळधारणेसाठी दिवसाचे तापमान चांगले असते. किमान तापमान 18 ⁰ सेल्सिअसपेक्षा कमी नसावे.										
2	जमीन. माती		चांगला निचरा होणारी वालुकामय विकणमाती आणि गाळयुक्त माती. आदर्श मातीचा सामू (pH) 5.5 वे 6.5 आहे.										
3	हंगाम. पेरणी/लागव	डीची वेळ	दक्षिण आणि मध्य भारतात ऑक्टोवर-नोव्हेंबर. महाराष्ट्रात जानेवारी-फेब्रुवारी-जून-जुलै. डोंगराळ भागात एप्रिल-मे										
4	वियाण्याचा दर/एक	τ	1.5-2.0 किलो/एकर										
4	पेरणी/लागवडीची प	द्धत	कालवा पद्धत / पाटामधून पाणी										
5	मुख्य शेताची तयारी	आणि लागवड	जिमनीमध्ये 10 टन कुजलेले शेणखत टाका आणि ते मिसळण्यासाठी नंतर विखरून टाका. पेरणीसाठी पाट तयार करा * पेरणीच्या कालव्यांमध्ये खतांचा मूलभूत डोस द्या आणि सगळीकडे खत नीट पसरूदे. * पेरणीपूर्वी दोन दिवस आधी शेताला पाणी द्या. * प्रत्येक सरीवर दोन विया टोचा, लवकर आणि चांगले अंकुर फुटायला लगेच थोडे पाणी द्या										
6	अंतर		प्रत्येक वाफ्यामध्ये (पाट) 240-300 सेमी; रोप ते रोप: 45 सेमी-जमिनीवर. वाफ्यामधील 150 सेमी. बांबूच्या खांबांना उथ्या बांधलेल्या आणि उथ्या लगडलेल्या रोपांमध्ये 30 सेमी.										
7	पेरणीपूर्वी वियाणांव	र प्रक्रिया	वियाण्यावर गौचो (इमिडो) 2 मिली/किलो प्रक्रिया केली जाते.										
8	सेंद्रिय पदार्थ आणि र	ब ते	* पेरणीपूर्वी मूलमूत डोस: 30:40:40 किलो एनपीके * पेरणीनंतर 30 दिवसांनी पहिले टॉप ड्रेसिंग: 30 किलो नत्र * पहिल्या वेचणीनंतर दुसरे टॉप ड्रेसिंग: 25 किलो नत्र										
9	पेरणीपूर्वी वियाणे प्र	क्रिया	मातीच्या प्रकारानुसार शेताला पाणी द्या. 5-6 दिवसांच्या अंतराने थोडे आणि सतत पाणी देणे उत्तम. फळधारणेच्या अवस्थेत, मुळांच्या भागात पुरेसा ओलावा असल्याची खात्री करा.										
10	खुरपणी/ आंतरमशा	ात	दोन हातांनी खुरपणी करणे आवश्यक आहे. शेत तणमुक्त ठेवा. पेरणीनंतर 30 आणि 60 दिवसांनी माती भरणे. पुष्पवेली मार्गदर्शन हा एक महत्त्वाचा पैलू आहे										
11	सूक्ष्म पोषक घटक/व	ाढ नियामक फवारण्या	फळधारणेच्या काळात मल्टीप्लेक्समध्ये 1 ग्रॅम/लिटर फवारणी करा. फुलाची कळी येण्याच्या काळात सूक्ष्म पोषक घटक 1 ग्रॅम/लिटर फवारणी करा.										
12	कीटक आणि रोग नि	यंत्रण	भुरी बुरशी: टेबुकोनाझोल 50% + ट्रायफ्लॉक्सिस्ट्रोबिन 25% भा.आ. 0.5 ते 1 ग्रॅम प्रति लिटर) तंत्-भुरी बुरशी: टेबुकोनाझोल 50% + ट्रायफ्लॉक्सिस्ट्रोबिन 25% भा.आ. 0.5 ते 1 ग्रॅम प्रति लिटर) पाने खाणारी आळी: अवामेस्टिन 1.8% EC (0.5 ते 1 मिली/लिटर), तांबडा भुंगेरा: डेल्टामेश्रिन 5.56% SC भा/आ (0.5 मिली/लिटर) फुलकिडे/मावा: फ्लोनिकामिड 50% भा/आ (0.5 ग्रॅम/लिटर) मर रोग: कार्वेन्डाझिम (1 ग्रॅम/लिटर) सह आंबवा फळमाशी: फेरोमोन सापळे वापरा डेल्टा मिश्रिन 1 मिली/लिटर										
			शेतातील नियंत्रणासाठी आणि रोगाच्या अधिक माहितीसाठी. कृपया तुमच्या स्थानिक कृषी अधिकाऱ्यांचा सल्ला घ्या.										
13	कापणी		65-70 दिवसानंतर काढणीसाठी तयार फळे. दर 3-4 दिवसातून एकदा कोवळ्या लुसलुशीत फळांची काढणी करा.										
15	अपेक्षित उत्पन्न	-	चांगल्या प्रकारे व्यवस्थापित केलेल्या पिकातून प्रति एकर 10-12 टन फळे मिळतात.										
17	साठवणूक		सकाळी लवकर कापणी करा बाजारात नेण्यापूर्वी 5-7 दिवस सावलीमध्ये ठेवा. साठवणुकीचे आयुष्य वाढवण्यासाठी थंड ठिकाणी (12-13°C, 85-90% सापेक्ष आर्द्रता) साठवा.										
18	करू नका		सल्फरयुक्त रसायनांचा वापर करू नका.										
19	करा												
नॉद घेण्याची			ो संबंधित विशिष्ट शिफारसींसाठी कृपया तुमच्या स्थानिक राज्य कृषी विभागाशी संपर्क साधा. शकतात. म्हणून, तुमच्या स्थानिक कृषी अधिकाऱ्यांचा सल्ला घेण्याची शिफारस केली जाते. केवळ उच्च दर्जाची खते आणि कीटकनाशके वापरली जात आहेत याची खात्री करा. वियाणे,										
		ान उत्पन्नावर विवय वटन नारनाम करूर ाके खरेदी करताना विल बाळगा.	्र _{वर्ष} व व व व व व व व व व व व व व व व व व व										





ಸೊರೆಕಾಯಿ ಬೇಸಾಯದ ಕ್ರಮಗಳು

ಅಭಿನಂದನೆಗಳು! ನೀವು ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಕುಟುಂಬದ ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಸೊರೆಕಾಯ ಬೀಜಗಳಲ್ಲಿ ಒಂದನ್ನು ಅರಿಸಿದ್ದೀರಿ. ನೀವು ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಕುಟುಂಬದ ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಸೊರೆಕಾಯ ಬೀಜಗಳಲ್ಲಿ ಒಂದನ್ನು ಅರಿಸಿದ್ದೀರಿ. ಈ ಬೀಜಗಳು ವ್ಯಾಪಕವಾದ ಸಂಶೋಧನೆಯ ಫಲಿತಾಂಶವಾಗಿದ್ದು, ವಿವಿಧ ಕೃಷಿ ಹವಾಮಾನಗಳಿಗೆ ಸೂಕ್ತವಾದ ಹೆಚ್ಚಿನ ಇಳುವರಿ ನೀಡುವ ಹೈಬ್ರಿಡ್ ಬೆಳಗಳನ್ನು ಅಭಿವೃದ್ಧಿಪಡಿಸುವ ಗುರಿಯನ್ನು ಹೊಂದಿವೆ. ರೈತರಿಗೆ ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ಬೀಜಗಳು ದೊರೆಯುವುದನ್ನು ಖಾತ್ರಿಪಡಿಸಲು ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ಬೀಜ ಉತ್ಪಾದನೆಯ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಇತ್ತೀಚಿನ ತಂತ್ರಜ್ಞಾನಗಳನ್ನು ಅಳವಡಿಸಿಕೊಂಡಿದೆ. ಕ್ರಿಸ್ಟಲ್ ನೊರೆಕಾಯ ಬೀಜಗಳು ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಮೊಳಕೆ ಮತ್ತು ಉತ್ತಮ ಹುರುಪನ್ನು ನೀಡುತ್ತವೆ, ಜೊತೆಗೆ ಜೈವಿಕ ಮತ್ತು ಅಜೈವಿಕ ಒತ್ತಡಗಳನ್ನು ಸಹಿಸಿಕೊಳ್ಳುವ ಸಾಮರ್ಥ್ಯವನ್ನು ಹೊಂದಿದೆ. ಅತ್ಯುತ್ತಮ ಇಳುವರಿ ಪಡೆಯಲು ದಯವಿಟ್ಟು ಉತ್ತಮ ಕೃಷಿ ಪದ್ಧತಿಗಳನ್ನು ಅಳವಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ. ಈ ಕೆಳಗಿನ ಸಾಮಾನ್ಯ ಶಿಥರಸ್ಸುಗಳನ್ನು ಒದಗಿಸಲಾಗಿದೆ, ಆದ್ದರಿಂದ ಯಾವುದೇ ನಿರ್ಧಾರಗಳನ್ನು ತೆಗೆದುಕೊಳ್ಳುವ ಮೊದಲು ಈ

	ಚಯಲು ದಯವಿಟ್ಟು ಕೇಳಿಕೊಳ್ಳುತ್ತೇವೆ. ರಲು ದಯವಿಟ್ಟು ಕೇಳಿಕೊಳ್ಳುತ್ತೇವೆ.	ೂಳ್ಳ. ಈ ಕೆಳಗಿನ ಸಾಮಾನ್ಯ ಶಿಫಾರಸ್ನುಗಳನ್ನು ಒದಗಿಸಲಾಗಿದೆ, ಆದ್ದರಿಂದ ಯಾವುದೇ ನಿರ್ಧಾರಿಗಳನ್ನು ತಗಿದುಕೊಳ್ಳುವ ಮೊದಲು ಈ										
ಹೈಬ್ರಿಡ್ ಸೊರೆಕಾಯಿ	ಹೈಬ್ರಡ್ . ಅಂಕಿಕ್, ಸೂಪರ್ ಮೈಬ್ರಡ್ . ಬಾಟರ್ , ಮೈನುಲ್ _ ಮೈನುಲಾ . ಹೈಬ್ರಿಡ್ . ಮೈನುಲಾ ಎಸ್ತಾಪಿಸ್ -೦೨											
ಅವಧಿ	120-130 ದಿನಗಳು 120-130 ದಿನಗಳು											
ಮುಂಗಾರು	ಹೌದು ಹೌದು											
ಹಿಂಗಾರು ವಸಂತ	ಹೌದು ಹೌದು ಹೌದು ಹೌದು											
ನೀರಾವರಿ ಪದ್ಧತಿ	ಬೋರ್ವೆಲ್ ಬೋರ್ವೆಲ್											
		ವಾಮಾನ ಪರಿಸ್ಥಿತಿಗಳ ಪ್ರಕಾರ ಬೆಳೆಯ ಬೆಳವಣಿಗೆ ಮತ್ತು ಪಕ್ಕತೆ ವಿಭಿನ್ನವಾಗಿರಬಹುದು										
ಕ್ರಮ ಸಂಖ್ಯೆ.	ವಿವರಗಳು / ಕಾರ್ಯಾಚರಣೆಗಳು /ಪದ್ಧತಿ	ಕಾರ್ಯಾಚರಣೆಯ ವಿವರಗಳು / ಪ್ರತಿ ಎಕರೆಗೆ ಒಳಹರಿವು										
1	ಪ್ರದೇಶದ ಸೂಕ್ತತೆ/ ಕೃಷಿ-ಹವಾಮಾನ ವಲಯ	ದೀರ್ಘವಾದ ಬೆಚ್ಚಗಿನ ಅವಧಿಯಲ್ಲಿ, ದಿನದ ಉಷ್ಣಾಂಶ 30–35°C ಮತ್ತು ರಾತ್ರಿಯ ಉಷ್ಣಾಂಶ 18–22°C ಬೆಳವಣಿಗೆ ಮತ್ತು ಘಲೋತ್ಪತ್ತಿಗೆ ಉತ್ತಮ. ಕನಿಷ್ಠ ಉಷ್ಣಾಂಶ 18°C ಗಿಂತ ಕಡಿಮೆ ಇರಬಾರದು										
2	ಭೂಮಿ ಮಣ್ಣು	ಉತ್ತಮ ಒಳಚರಂಡಿ ಹೊಂದಿದ ಮರಳು ಲೋಮಿ ಮತ್ತು ಮೆಕ್ಕಲು ಮಣ್ಣುಗಳು, ಮಣ್ಣಿನ Ph 5.5 ರಿಂದ 6.5 ಸೂಕ್ತವಾಗಿರುತ್ತದೆ.										
3	ಋತು. ಬಿತ್ತನೆ/ನಾಟಿ ಸಮಯ	ದಕ್ಷಿಣ ಮತ್ತು ಮಧ್ಯ ಭಾರತದಲ್ಲಿ ಅಕ್ಟೋಬರ್-ನವೆಂಬರ್. ಮಹಾರಾಷ್ಟ್ರದಲ್ಲಿ ಜನವರಿ-ಫೆಬ್ರವರಿ-ಜೂನ್-ಜುಲೈ ತಿಂಗಳುಗಳಲ್ಲಿ. ಗುಡ್ಡಗಾಡು ಪ್ರದೇಶಗಳಲ್ಲಿ ವಿಪ್ರಿಲ್–ಮೇ ತಿಂಗಳುಗಳಲ್ಲಿ										
4	ಬೀಜದ ಪ್ರಮಾಣ/ ಎಕರೆಗೆ	1.5–2.0 ಕೆ.ಜಿ./ಎಕರೆ										
4	ಬಿತ್ತನೆ/ನಾಟಿ ವಿಧಾನ.	ಕಾಲುವೆ ವಿಧಾನ/ ಕಂಬದ ವಿಧಾನದಿಂದ										
5	ಮುಖ್ಯ ಹೊಲವನ್ನು ತಯಾರು ಮಾಡುವುದು ಮತ್ತು ನಾಟ	10 ಟನ್ ಕೊಳಿತ (FYM) ಹಾಕಿ, ನಂತರ ಮಣ್ಣಿನಲ್ಲಿ ಮಿಶ್ರಣ ಮಾಡಲು ಹ್ಯಾರೋ ಬಳಸಿ. ವಿತ್ತನೆ ಕಾಲುವೆಗಳನ್ನು ರೂಪಿಸಿ ವಿತ್ತನೆ ಕಾಲುವೆಗಳಲ್ಲಿ ಮೂಲ ಪ್ರಮಾಣದ ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳನ್ನು ಅನ್ವಯಿಸಿ ಮತ್ತು ರಸಗೊಬ್ಬರವನ್ನು ಮುಚ್ಚಿ ಪತ್ತನೆಯ ಎರಡು ದಿನ ಮೊದಲು ಹೊಲಕ್ಕೆ ನೀರಾವರಿ ಮಾಡಿ. ಕ್ರತಿ ಗುಂಡಿಗೆ ಎರಡು ಬೀಜಗಳನ್ನು ಊರಿ, ಶೀಘ್ರ ಮತ್ತು ಉತ್ತಮ ಮೊಳಕೆಗಾಗಿ ತಕ್ಷಣ ಹಗುರವಾಗಿ ನೀರು ಹಾಯಿಸಿ.										
6	ಅಂತರ	ಸಾಲಿನಿಂದ ಸಾಲಿಗೆ (ಕಾಲುವೆ): 240–300 ಸೆಂ.ಮೀ.; ಗಿಡದಿಂದ ಗಿಡಕ್ಕೆ: 45 ಸೆಂ.ಮೀ. ನೆಲದ ಮೇಲೆ, ಸಾಲುಗಳ ನಡುವೆ 150 ಸೆಂ.ಮೀ. ಮತ್ತು ಗಿಡಗಳ ನಡುವೆ 30 ಸೆಂ.ಮೀ. ಬಿದಿರಿನ ಕಡ್ಡಿಗಳ ಅಧಾರದೊಂದಿಗೆ ನೆಟ್ಟು ಲಂಬವಾಗಿ ಹಬ್ಬಿಸುವುದು.										
7	ಬಿತ್ತನೆಯ ಮೊದಲು ಬೀಜ ಸಂಸ್ಕರಣೆ	ಬೀಜಕ್ಕೆ ಗೌಚೊ (ಇಮಿಡೋ) 2 ಮಿ.ಲೀ./ಕೆ.ಜಿ. ಪ್ರಮಾಣದಲ್ಲಿ ಬೀಜೋಪಚಾರ ಮಾಡಬೇಕು.										
8	ಗೊಬ್ಬರ ಮತ್ತು ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳು	ಬಿತ್ತನೆಗೆ ಮೊದಲು ನೀಡಬೇಕಾದ ಆರಂಭಿಕ ಪ್ರಮಾಣ: 30:40:40 ಕೆ.ಜಿ.(NPK) ಮೊದಲ ಮೇಲ್ಲೊಬ್ಬರ ಬಿತ್ತನೆಯ 30 ದಿನಗಳ ನಂತರ: 30kg N ಎರಡನೇ ಮೇಲ್ಲೊಬ್ಬರ ಮೊದಲ ಕೊಯ್ಲಿನ ನಂತರ: 25 kg N										
9	ನೀರಾವರಿ ವೇಳಾಪಟ್ಟಿ	ಮಣ್ಣಿನ ವಿಧವನ್ನು ಅವಲಂಬಿಸಿ ಹೊಲಕ್ಕೆ ನೀರು ಹಾಯಿಸಿ. ಪ್ರತಿ 5–6 ದಿನಗಳ ಅಂತರದಲ್ಲಿ ಹಗುರ ಮತ್ತು ಆಗಾಗ್ಗೆ ನೀರು ಹಾಯಿಸುವುದು ಸೂಕ್ತ್ತ ಬೇರಿನ ಪ್ರದೇಶದಲ್ಲಿ, ವಿಶೇಷವಾಗಿ ಹೂಬಿಡುವ ಮತ್ತು ಕಾಯಿ ಕಟ್ಟುವ ಹಣ್ಣಿನ ಹಂತದಲ್ಲಿ ಸಾಕಷ್ಟು ತೇವಾಂಶವಿರುವುದನ್ನು ಖಚಿತಪಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ.										
10	ಕಳೆ ತೆಗೆಯುವುದು/ ಅಂತರ ಬೇಸಾಯ	ಎರಡು ಬಾರಿ ಕೈಯಿಂದ ಕಳೆ ತೆಗೆಯುವುದು ಅಗತ್ಯವಿದೆ. ಹೊಲಗಳನ್ನು ಕಳೆ ರಹಿತವಾಗಿರಿಸಿ, ಬಿತ್ತನೆಯ 30 ಮತ್ತು 60 ದಿನಗಳ ನಂತರ ಮಣ್ಣು ಹಾಕುವುದು, ಬಳ್ಳಿಯನ್ನು ಹಬ್ಬಿಸುವುದು ಒಂದು ಪ್ರಮುಖ ಅಂಶವಾಗಿದೆ										
11	ಸೂಕ್ಷ್ಮ ಪೋಷಕಾಂಶಗಳು/ಬೆಳವಣಿಗೆ ನಿಯಂತ್ರಕ ಸಿಂಪಡಣೆಗಳು	ಹಣ್ಣಾಗುವ ಹಂತದಲ್ಲಿ ಮಲ್ಟಿಪ್ಲೆಕ್ಸ್ 1g/ಲೀಟರ್ ಸಿಂಪಡಿಸಿ ಹೂಬಿಡುವ ಅವಧಿಯಲ್ಲಿ ಸೂಕ್ಷ್ಮ ಪೋಷಕಾಂಶ 1g/ಲೀಟರ್										
12	ಕೀಟ ಮತ್ತು ರೋಗ ನಿಯಂತ್ರಣ	ಪುಡಿ ಶಿಲೀಂಧ್ರ: ಟೆಬುಕೊನಜೋಲ್ 50% + ಟ್ರಿಫ್ಲಾಕ್ಸಿಸ್ಟ್ರೇಬಿನ್ 25% WG (0.5 ರಿಂದ 1 ಗ್ರಾಂ ಪ್ರತಿ ಲೀಟರ್) ಡೌನಿ ಶಿಲೀಂಧ್ರ: ಟೆಬುಕೊನಜೊಲ್ 50% + ಟ್ರಿಫ್ಲಾಕ್ಸಿಸ್ಟ್ರೇಬಿನ್ 25% WG (0.5 ರಿಂದ 1 ಗ್ರಾಂ ಪ್ರತಿ ಲೀಟರ್) ಎಲೆ ತಿನ್ನುವ ಕೀಟ; ಅಬಾಮೆಕ್ಟಿನ್ 1.8% EC (0.5 ರಿಂದ 1 ಮಿ.ಲಿ/ಲೀಟರ್), ಕಂಪು ಕುಂಬಳಕಾಯಿ ಜೀರುಂಡ: ಡೆಪ್ಲಾಮೆರ್ಥಿನ್ 5.56% w/w SC (0.5 ಮಿ.ಲಿ/ಲೀಟರ್) ಥ್ರಿಪ್ಸ್/ಗಡಿಯನುಗಳು: ಫ್ಲೋನಿಕಾಮಿಡ್ 55% WG (0.5 ಗ್ರಾಂ/ಲೀಟರ್) ಫ್ರೂಸ್ನೇರಿಯಮ್ ಬಾರುವಿಕೆ: ಕಾರ್ಬೆಂಡಜಿಮ್ (1 ಗ್ರಾಂ/ಲೀಟರ್) ನೊಂದಿಗೆ ನೆನಸಿ ಹಣ್ಣಿನ ನೋ: ಫರೋಮೋನ್ ಬರಗಳನ್ನು ಬಳಸಿ, ಡೆಪ್ಟಾಮೆರ್ಥಿನ್ 1 ಮಿ.ಲಿ/ಲೀಟರ್ ಹೊಲದಲ್ಲಿ ಕೀಟ ಮತ್ತು ರೋಗ ನಿಯಂತ್ರಣದ ಕುರಿತು ಹೆಚ್ಚಿನ ಮಾಹಿತಿಗಾಗಿ, ದಯವಿಟ್ಟು ನಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ಕೃಷಿ ಅಧಿಕಾರಿಗಳನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸ್ತಿ										
13	ಕೊಯ್ಲು	65-70 ದಿನಗಳು ನಲ್ಲಿ ಹಣ್ಣುಗಳು ಕಟಾವಿಗೆ ಸಿದ್ಧವಾಗುತ್ತವೆ. ಪ್ರತಿ 3-4 ದಿನಗಳಿಗೊಮ್ಮೆ ಮೃದುವಾದ ಹಣ್ಣುಗಳನ್ನು ಕಟಾವು ಮಾಡಿ.										
15	ನಿರೀಕ್ಷಿತ ಇಳುವರಿ	ಉತ್ತಮವಾಗಿ ನಿರ್ವಹಿಸಿದ ಬೆಳೆಯಿಂದ 10–12 ಟನ್/ಎಕರೆ ಹಣ್ಣುಗಳ ಇಳುವರಿ ಸಿಗುತ್ತದೆ.										
17	ಶೇಖರಣೆ	ಬೆಳಿಗ್ಗೆ ಬೇಗನೆ ಕೊಯ್ಲು ಮಾಡಿ. 5-7 ದಿನಗಳೊಳಗೆ ಮಾರುಕಟ್ಟೆಗೆ ತರಲು ಅದನ್ನು ನೆರಳಿನಲ್ಲಿ ಇರಿಸಿ, ಸಂಗ್ರಹಣಾ ಅವಧಿಯನ್ನು ಹೆಚ್ಚಿಸಲು ತಂಪಾದ ಸ್ಥಳದಲ್ಲಿ (12–13•C, 85–90% ಸಾಪೇಕ್ಷ ಆರ್ಡ್ರತೆ) ಸಂಗ್ರಹಿಸಿ										
18	ಮಾಡಬೇಡಿ	ಸಲ್ಫರ್ ಆಧಾರಿತ ರಾಸಾಯನಿಕಗಳನ್ನು ಬಳಸಬೇಡಿ.										
19	ಮಾಡಬೇಕಾದವು											
ಸೂಚನೆ		ಉಶಕ್ಕೆ ಸಂಬಂಧಿಸಿದ ವಿಶೇಷ ಶಿಫಾರಸ್ಸುಗಳಿಗಾಗಿ, ದಯವಿಟ್ಟು ನಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ರಾಜ್ಯ ಕೃಷಿ ಇಲಾಖೆಯನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಿ.										
ಎಚ್ಚರಿಕೆಗಳು	ಬೆಳೆಯ ಬೆಳವಣಿಗೆ ಮತ್ತು ಇಳುವರಿಯು ವಿವಿಧ ಅಂಶಗಳಿಂದ ಪ್ರಭ	ರಾವಿತವಾಗಬಹುದು. ಆದ್ದರಿಂದ, ಸಲಹೆಗಾಗಿ ನಿಮ್ಮ ಸ್ಥಳೀಯ ಕೃಷಿ ಅಧಿಕಾರಿಯನ್ನು ಸಂಪರ್ಕಿಸಲು ಶಿಫಾರಸು ಮಾಡಲಾಗುತ್ತದೆ. ಉತ್ತಮ ಗುಣಮಟ್ಟದ ನೆ ಎಂದು ಖಚಿತಪಡಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ. ಬೀಜಗಳು, ರಸಗೊಬ್ಬರಗಳು ಮತ್ತು ಕೀಟನಾಶಕಗಳ ಖರೀದಿಯ ಬಿಲ್ಗಳನ್ನು ಉಳಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ.										





సొరకాయ కి పాటించవలసిన ఆచరణల పాకేజి శుభాకాంక్షలు! క్రిస్టల్ కుటుంబము యొక్క అత్యంత ఉత్తమమైన సొరకాయ విత్తనాల్లో ఒకదానిని మీరు ఎంచుకున్నారు. ఉత్తమ-నాణ్యత కలిగిన సొరకాయ విత్తనాలను ఉత్పత్తి చేయడములో క్రిస్టల్ కి చాలా అనుభవము వుంది. ఈ విత్తనాలు విస్తారముగా చేసిన పరిశోధన యొక్క ఫలితము, వీటిని వివిధ వ్యవసాయ వాతావరణాలకి అనుకూలముగా అధిక-దిగుబడి ఇవ్వడమనే ఉద్దేశ్యముతో రూపొందించడము జరిగినది. రైతులకు అత్యధిక నాణ్యత కలిగిన విత్తనాలను అందించడానికి విత్తనాలను ఉత్పత్తి చేసే సమయములో క్రిస్టల్ అత్యాధుకున్న పట్టులు పట్టిస్తుంది. క్రిస్టల్ సొరకాయ విత్తనాలు బయోటిక్ ఓ ఏబయోటిక్ వత్తిడికి తట్టుకునే మామర్థన్ను తెన్నం వెన్నవే మంచితో శాఖుకున్న కాట్ మర్గకొన్న మున్ను కథిస్తి పంటాయి.

కిసుకునే ముందు ఈ	🛾 సూచనలను చదవాలని మేము మిమ్మల్ని అభ్య	అలను పాయించండి. (కింద సాధారణ సూచనలు ఇవ్వబడ్తాయి, కాబట్టి ఏవైనా నిర్ణయాలు రైసున్సాము.								
ాబ్రిడ్ సొరకాయ	సూపర్ అంకిత్ , బోటిల్ , SPS -02									
	మృదుల									
ల్లము పరిమితి	120-130 DAS 120-130 DAS									
<u> </u>	అవును అవును									
5	అవును అవును									
సంత కాలము	అవును అవును									
బీ పారుదల వనరు										
		ల ఆధారముగా పంట ఎదుగుదల & పక్వము కాలము మారవచ్చు								
క్ర. సం.	వివరాలు/ఆపరేషన్లు/ఆచరణలు	ఆపరేషన్ వివరాలు. ఎకరానికి ఇన్పుట్								
1	(పాంతము యొక్క అనుకూలత/వ్యవసాయ- వాతావరణ జోన్	ఎదుగుదలకి మరియు పళ్ళు ఏర్పడానికి పగలు 30-35°C ఉష్ణోగతను దీర్హమైన వెచ్చని కాలముగా రాత్రి 18-22°C ఉష్ణోగతను వృంచాలి. కనిఫ ఉష్ణోగ్రత 18°C కన్నా తక్కువ వృండకూడదు								
2	భూమి. మట్టి	బాగా నీరు ఇంకే ఇసుక లోమీ మరియు ఒండ్రు మట్టి నేలలు. మట్టి Ph 5.5 నుంచి 6.5 వ అనుకూలము.								
3	కాలము. విత్తే/నాటే సమయము	దక్షిణ మరియు సెంట్రల్ భారతదేశములో అక్టోబర్-నవంబర్ లో. మహారా ఫ్లాలో జనవ ఫ్మిబవరి-జూన్-జులైలో. కొండ ప్రాంతాలలో ఏప్రిల్-మేలో								
4	ఎకరానికి/విత్తనము రేట్	ఎకరానికి/1.5-2.0 కిలోలు								
4	విత్తే/నాటే పద్ధతి.	కాలువ పద్ధతి/ స్టేకింగ్ పద్ధతి ద్వారా								
5	[ప్రధానమైన పొలమునీ తయారు చేయడము మరియు నాటడము	డికంపోజ్ చేసిన ఎప్పైవిం 10 టన్నుల అప్లై చేయండి తరవాత దుక్కిదున్నడము ద్వా అది మట్టిలో కలుస్తుంది. *నాటే కాలువల్లను ఏర్పాటు చేయండి *సాటే కాలువల్లో ఫర్టిలైజర్ల బేసల్ డోస్ అప్లై చేయండి మరియు ఫర్టిలైజరుని కవర్ చేయండి *విత్రడానికి రెండు రోజుల ముందు పొలముకి నీటిని పెట్టండి. *గుంటకి రెండు విత్తన్నాలు పెట్టండి, త్వరగా మరియు మెరుగుగా మొలకెత్తడము కోసం								
6	ఖాళీ ఇవ్వడము	వెంటనే తేలికగా నీటిని పెట్టండి రో నుంచి రో (కాలువ) 240-300 cm; మొక్క నుంచి మొక్క 45cm-భూమికి. రో ల మధ్య 150 cm. మొక్కల రోలను 30 cm దూరములో వెదురు-స్టేక్ చేయాలి మరియు నిలువగా టెయిల్ చేయాలి								
7	విత్తే ముందు విత్తనముని శుద్ధి చేయడము	విత్తనాలను గౌచో (ఇమిడో) కిలోకి/2 ml తో శుద్ధి చేయండి								
8	ఎరువులు మరియు ఫర్జిలైజర్లు	ిపిత్తే ముందు బెసల్ లో మాల్ల అక్క మందు బెడుకుండి *మీదటి టాప్ డ్రెస్సింగ్ విత్తడము తరవాత 30 రోజులకి: 30 కిలోల N *రెండవ టాప్ డ్రెస్సింగ్ మొదటగా పిక్ చేసిన తరవాత: 25 కిలోల N								
9	నీటి పారుదల షెడ్యూల్	మెట్టి రకముని బట్టి పొలముకి నీటిని పెట్టండి. 5-6 రోజుల వ్యవధిలో తెలికగా మరియు తరచుగా నీరు పెట్టడము అనుకూలము. పళ్ళు పూలు వేసే దశలో వేళ్ళ జోన్ లో సరిపడిన తేమ వుండేలా ధృవీకరించుకోండి.								
10	కలుపు మోక్కలు తీయడము/అంతర్గత కల్టివేష	చేతితో కలుపు మొక్కలను రెండు దఫాలుగా తొలగించాలి. ప్లాల్లను కలుపు మొక్కలు లేకుండా వుంచండి. విత్తిన 30 మరియు 60 రోజుల తరవాత మొక్కల మొదళ్ళలోని మట్టి, ఎత్తు చేయండి. తీగలకి దారి చూబించడము అనేది కీలకమైన అంశము								
11	సూక్ష్మపోషకము/ఎదుగుదల రెగ్యులేటర్ (స్పేల	కాయలు వచ్చే దశలో మళ్ళి ప్లెక్స్ లీటరు/1(గా పూలు వచ్చే దశలో సూక్ష్మపోషకము లీటరు/1(గా పిచికారీ చేయండి								
12	చీడ మరియు తెగులు కంట్రోల్	బూడిద తెగులు: టెబుకునజోల్ 50% + (టిఫ్లోక్స్ స్టోబిన్ 25% WG (లీటరుకి 0.5 నుంచి 1 [గ్రాములు) డౌనీ బూజు తెగులు: టెబుకునజోల్ 50% + (టిఫ్లోక్స్ స్టోబిన్ 25% WG (లీటరుకి 0.5 నుంచి 1 [గ్రాములు) ఆకు తొలుచు పురుగు: అబామెక్టిన్ 1.8% EC (లీటరుకి 0.5 నుంచి 1 ml), ఎ(ర గుమ్మడి పెంకు పురుగు: డెల్గామెథ్రిన్ 5.56 % w/w SC (లీటరు/0.5 ml) తామర పురుగు/ పేను బంక: ఫ్లోనికామిడ్ 50 % WG (లీటరు/0.5 ml) పుజూరియమ్ ఎండు తెగులు: కార్పెండాజిమ్ తో డెంచ్ చేయండి (లీటరు/1 [గా) పండు ఈగ: ఫెరమోన్ టూప్లను ఉపయోగించండి. డెల్గా మిథ్రిన్ లీటరు/1ml పొలములో తెగులు & చీడల కం]టోలు మీద అదనప్త సమాచారము కొరకు, దయచేసి మీ								
13	<u> </u> 	స్తానిక వ్యవసాయ ఆఫీసర్లను సం పదించండి. 65-70 DASకి కాయలు కోతకి సిద్ధము అవుతాయి. 3-4 రోజులకి లేత కాయలను కోత								
		కోయండి.								
15 17	ఆశించే దిగుబడి స్టోర్ చెయడము	బాగా మేనేజ్ చేసిన పంటకీ ఎకరానికి/10-12 టన్సుల దిగుబడి వృంటుంది. ఉదయ కాలములో త్వరగా కొత కోయండి. కొత తరవాత నీడలో వృంచండి 5-7 రోజులల్ మార్కెట్లో అమ్మండి. షెల్ఫ్ లైఫ్ పెంచడానికి చల్లని [పదేశములో (12-13°C, 85-90% రిలేటివ్ తేమ వృండాలి) స్టోర్ చేయండి								
18	చేయకూడనివి	సల్పర్ ఆధారిత రసాయనాలు ఉపయోగించకండి.								
19	చేయవలసినవి									
మనిక										
(රුමු වා	ర్వాఫ్ల న్హౌనిక్ వ్యవసాయ శాఖను సంప్రదించండి. పంటల ఎదుగుదల మరియు దిగుబడి పలు కారణాల వలన ప్రభావితము అవుతుంది. కాబట్టి, మీ స్థానిక వ్యవసాయ అధికారిని సలహా కొరకు సంప్రవించాలని సూచించడము జరిగింది. కేవలము అధిక-నాణ్యత కలిగిన ఫర్జిలైజర్లు మరియు కీటకనాశనులు మాత్రమే ఉపయోగించబడ్డాయని ధృవీకరించుకోండి. విత్తనాలు, ఫర్జిలైజర్లు మరియు కీటకనాశనుల కొనుగోలు బిల్లులను మీ వధ్ద వుంచుకోండి.									





লাউ চাষের নিয়মাবলি

অভিনন্দন! আপনি ক্রিস্টাল পরিবারের অন্যতম উৎকৃষ্ট লাউয়ের বীজগুলি নির্বাচন করেছেন। উচ্চমানের লাউ বীজগুলি উৎপাদনে ক্রিস্টালের নির্ভরযোগ্য অভিজ্ঞতা আছে। এই বীজগুলি ব্যাপক গবেষণার ফলাফল, যার উদ্দেশ্য বিভিন্ন কৃষি জলবায়ুর উপযোগী, উচ্চফলনশীল হাইব্রিড ফসলের উন্নয়ন। কৃষকেরা যাতে সর্বোচ্চ মানের বীজগুলি পান তা নিশ্চিত করতে উৎপাদনের সময় ক্রিস্টাল সর্বাধুনিক প্রযুক্তিগুলি গ্রহণ করে। ক্রিস্টালের লাউ বীজগুলি জীবজ এবং অজীবজ প্রতিকূলতার প্রতি সহনশীলতা সহ উৎকৃষ্ট অঙ্কুরোদগম এবং শক্তিশালী উদ্ভিদের বিকাশ প্রদান

অনুগ্রহ করে চমংকার ফলন পেতে সর্বোন্তম কৃষি পদ্ধতি গ্রহণ করুন। নিচে কিছু সাধারণ পরামর্শ দেওয়া হল, তাই আমরা আপনাকে বলছি অনুগ্রহ করে কোনো সিদ্ধান্ত নেওয়ার আগে পরামর্শগুলি পড়ুন।

•110	হাইব্রিড. সুপর বাটল, ম ুদু লা	অংকিত, হাইব্রিড. মৃদুলা_, হাইব্রিড. এসপীএস- ০২					
সময়সী	120-130	120-130					
মা	DAS	DAS					
খরিফ	হ্যাঁ	হ্যাঁ				 	
রবি	হাাঁ	হ্যাঁ					
বসন্ত	হাাঁ	হ্যাঁ					
সেচের উৎ	বোরওয়েল	বোরওয়েল					

	অনুগ্রহ করে মনে রাখবেন যে আবহাওয়ার পরিস্থিতি অনুযায়ী ফসলের বিকাশ ও পক্কতা আসার সময় ভিন্ন হতে পারে										
ক্রমিক নম্বর	বিস্তারিত/ অপারেশন/ পদ্ধতি	প্রতি একর ইনপুটে অপারেশনের বিশদ									
1	এলাকার উপযোগিতা/কৃষি-জলবায়ু জোন	30-350সেন্টিগ্রেড তাপমাত্রার দিন সহ একটি দ্বীর্ঘকালীন সময়কাল। রাতের তাপমাত্রা 18-220সেন্টিগ্রেড বিকাশ এবং ফল সেটের জন্য ভালো। ন্যূনতম তাপমাত্রা 180সেন্টিগ্রেডের কম হওয়া উচিং নয়									
2	জমি। মাটি	ভালো নিকাশীযুক্ত বালুকাময় মাটি এবং তীরবর্তী মাটি। মাটির 5.5 থেকে 6.5 Ph আদর্শ।									
3	ঋতু। বপন/রোপণের সময়	দক্ষিণ এবং মধ্য ভারতে অক্টোবর-নভেম্বর। মহারাষ্ট্রে জানুয়ারি-ফেব্রুয়ারি-জুন-জুলাই। পাহাড়ি এলাকায় এপ্রিল-মে									
4	বীজের হার/ একর	1.5-2.0 কেজি/ একর									
4	বপন/রোপণের পদ্ধতি।	নালা পদ্ধতি/ খুঁটি দেওয়ার পদ্ধতি									
5	মূল ক্ষেতের প্রস্তুতি এবং রোপণ	মাাঢ প্রস্তাতর জন্য 10 টন পচা FYM প্রয়োগ করুন এবং তারপরে হ্যারো ব্যবহার করে মাাটর সঙ্গে ভালোভাবে মাশয়ে দিন। * বীজ বপনের জন্য নালা তৈরি করা * বীজ বপনের নালায় বেসাল ডোজ প্রয়োগ করুন এবং সার টেকে দিন * বীজ বপনের দুই দিন আগে মাঠে জল দিন। * প্রতি গর্তে দুইটি বীজ লাগান, তংক্ষণাং দ্রুত এবং ভালো অঙ্কুরোদগমের জন্য হালকা সেচ করুন সারি থেকে সারি (নালা) 240-300সোন্টিমিটার; উদ্ভিদ থেকে উদ্ভিদ: 45সোন্টিমিটার-মাটি। 150 সোন্টিমিটার। সারির মধ্যে বাশের খ্মটি									
6	ফাঁক	সাার থেকে সাার (নালা) 240-300সোন্টামটার; উদ্ভিদ থেকে উদ্ভিদ: 45সোন্টামটার-মাটি। 150 সোন্টামটার। সাারর মধ্যে বাশের খ্মট দিয়ে টেঁক দিয়ে উল্লম্বভাবে 30 সেন্টিমিটারের মধ্যে									
7	বপনের আগে বীজের পরিচর্যা	বীজকে গাউচো (ইমিডো) 2 মিলিলিটার/কেজি প্রক্রিয়াজাত করা হয়									
8	জৈব এবং রাসায়নিক সার	° বপনের আগে বেসাল ডোজ: 30:40:40 কোজ NPK ° বপনের 30 দিন পর প্রথম শীর্ষ ড্রেসিং: 30কেজি N ° প্রথম তোলার পর দ্বিতীয় শীর্ষ ড্রেসিং: 25 কেজি N									
9	সেচের সময়সূচী	মাটির ধরনের উপর নির্ভর করে মাঠে সেচ করুন। 5-6 দিনের ব্যবধানে একবার হালকা এবং ঘন ঘন সেচ করা আদর্শ। ফুল ফোটার এবং ফল ধরার সময় বিশেষভাবে মূল এলাকায় পর্যাপ্ত আর্দ্রতা নিশ্চিত করুন।									
10	আগাছা নিবারণ/ মধ্যশস্য পরিচর্যা	দুই হাত দিয়ে আগাছা নিবারণ করা প্রয়োজন। প্লটগুলি আগাছামুক্ত রাখুন। বপনের 30 এবং 60 দিন পর মাটি তুলুন। মোদ পরিচালনা করা একটি গুরুত্বপূর্ণ প্রক্রিয়া									
11	ক্ষুদ্রপুষ্টি/বিকাশ নিয়ন্ত্রক ছিটান	ফল ধরার পর্যায়কালে মাল্টিপ্লেক্স 1 গ্রাম/লিটার ছিটান ফুল ফোটার সময় 1 গ্রাম/লিটার মাইক্রোনিউট্রিয়েন্ট									
12	কীট এবং রোগ নিয়ন্ত্রণ	পাডডাার ামলাডড: টেবুকোনাজল 50% + ট্রাইফ্লাক্সস্টোবন 25% WG (0.5 থেকে 1 গ্রাম প্রাত লিটার) ডাউনি মিলডিউ: টেবুকোনাজল 50% + ট্রাইফ্লক্সিস্টোবিন 25% WG (0.5 থেকে 1 গ্রাম প্রতি লিটার) লিফ মাইনার: আবামেক্টিন 1.8% EC (0.5 থেকে 1 মিলিলিটার/লিটার), লাল কুমড়োর পোকা: ডেল্টামেগ্রিন 5.56 % w/w SC (0.5 মিলিলিটার/লিটার) থ্রিপস /এফিডস: ফ্লোনিকামিড 50 % WG (0.5 গ্রাম/লিটার) ফিউজেরিয়াম উইল্ট: কারবেনডাজিম দিয়ে ড্রেঞ্চ করুন (1গ্রাম/লিটার) ফলের মাছি: ফেরোমোন ট্র্যাপ ব্যবহার করুন। ডেল্টা মেথ্রিন 1মিলিলিটার/লিটার									
13	ফসল কাটা	65-70DAS তে ফসল কাটার জন্য ফল প্রস্তুত। 3-4 দিনে একবার নরম ফলগুলি কার্টুন।									
15	প্রত্যাশিত ফলন	ভালো পরিচালিত ফসল থেকে 10-12 টন/একর ফল উৎপাদন করুন।									

17		ভোরবেলা ফসল কার্টুন। বাজারজাত করতে 5-7 দিনের মধ্যে এটিকে ছায়ায় রাখুন। সংরক্ষণ জীবন বর্ধিত করতে একটি ঠান্ডা স্থানে সংরক্ষণ করুন (12-13°C, 85-90% আপেক্ষিক আর্দ্রতা)								
18	করবেন না	সালফার ভিত্তিক রাসায়নিক ব্যবহার করবেন না।								
19	করবেন									
দ্রন্টব্য	উপরের তথ্যটি একটি সাধারণ পরামর্শ। নির্দিষ্ট এ	লাকার জন্য বিশেষ সুপারিশের জন্য, অনুগ্রহ করে স্থানীয় রাজ্য কৃষি দপ্তরের সঙ্গে যোগাযোগ করুন।								
সতৰ্কতা	ফসলের বিকাশ এবং ফলন বিভিন্ন উপাদানের দ্বারা প্রভাবিত হতে পারে। অতএব, পরামর্শের জন্য আপনার স্থানীয় কৃষি অফিসারের সঙ্গে যোগাযোগ করা সুপারিশ করা হচ্ছে। নিশ্চিত করুন যে শুধুমাত্র উচ্চমানের সার এবং কীটনাশক ব্যবহার করা হচ্ছে। বীজ, সার এবং কোটনাশক ক্রয় করার রশিদ রাখুন।									



হাইবিড় অংকিত, হাইবিড়, মদলা .



জাতি লাওৰ অনুশীলনৰ পেকেজ

অভিনন্দন। আপুনি ক্ৰিষ্টেল পৰিয়ালৰ এটা উৎকৃষ্ট জাতি লাঙৰ বীজ বাচি লৈছে। উচ্চ মানৰ জাতি লাঙ বীজ উৎপাদনত ক্ৰিষ্টেলৰ দৃঢ় অভিজ্ঞতা আছে। এই বীজবোৰ হৈছে বিস্তৃত গৱেষণাৰ ফলাফল, যাৰ লক্ষ্য হৈছে বিভিন্ন কৃষি জলবায়ুৰ বাবে উপযুক্ত উচ্চ-উৎপাদনশীল হাইব্লিড শস্য বিকাশ কৰা। বীজ উৎপাদনৰ সময়ত ক্ৰিষ্টেলে শেহতীয়া প্ৰযুক্তি গ্ৰহণ কৰে যাতে কৃষকসকলে সৰ্বোচ্চ মানৰ বীজ লাভ কৰে। ক্ৰিষ্টেলৰ জাতি লাঙৰ বীজবোৰে জৈৱিক আৰু অজৈৱিক চাপৰ প্ৰতি সহনশীলতাৰ সৈতে উৎকৃষ্ট অঙ্কুৰিতকৰণ আৰু উন্নত শক্তি প্ৰদান কৰে। অনুগ্ৰহ কৰি উৎকৃষ্ট কৃষি পদ্ধতি গ্ৰহণ কৰি উৎকৃষ্ট উৎপাদন লাভ কৰক। তলত দিয়া সাধাৰণ পৰামৰ্শসমূহ প্ৰদান কৰা হৈছে, গতিকে আমি আপোনাক অনুৰোধ কৰোঁ যে আপুনি কোনো সিদ্ধান্ত লোৱাৰ আগতে এই পৰামৰ্শসমূহ পঢ়ক।

হাইব্রিড	হাইব্ৰিড. সুপৰ বাটল,	অংকিত, হাইব্রিড. মৃদুলা_, হাইব্রিড. এসপীএস-০২,								
জাতি লাও	ম ৄ দুলা	হাইব্রিড. এসপীএস-০২								
সময়কাল	120-130 DAS	120-130 DAS								
খাৰিফ	হয়	হয়								
ৰাবি বসন্ত	হয় হয়	হয় হয়								
জলসিঞ্চনৰ জলসঞ্চনৰ	ব'ৰৱেল	ব'ৰৱেল								
			কৰি মন কৰিব যে বতৰ অনুসৰি শস্যৰ বৃদ্ধি আৰু পৰিপক্কতা ভিন্ন হ'ব পাৰে।							
ক্ৰমিক নম্বৰ	সবিশেষ/কার্য	্য/অনুশীলন	কাৰ্যৰ বিৱৰণ, প্ৰতি একৰ ইনপুট							
1	অঞ্চলটোৰ উপ	যোগীতা/কৃষি জলবায়ু অঞ্চল	দীঘলীয়া উষ্ণ সময় 30-350°C দিনত, 18-220°C ৰাতিৰ তাপমাত্ৰা বৃদ্ধি আৰু ফলৰ বাবে ভাল। নিম্নতম তাপমাত্ৰা 180°Cৰ তলত হ'ব নালাগে।							
2	ভূমি মাটি		ভালদৰে খালী বালিৰ মাটি আৰু জ্লাশয়ৰ মাটি। মাটিৰ ph 5.5ৰ পৰা 6.5 আদৰ্শ।							
3	ঋতু বীজ সিঁচাৰ	/পলোৱাৰ সময়	অক্টোবৰ-নৱেম্বৰ দক্ষিণ আৰু মধ্য ভাৰতত। জানুৱাৰী-ফেব্ৰুৱাৰী-জুন-জুলাই মহাৰাষ্ট্ৰত । এপ্ৰিল - মে পাহাৰীয়া অঞ্চলত							
4	বীজৰ হাৰ/ এক	ब	1.5-2.0 কেজি/ একৰ							
4	বীজ সিঁচা/পলে	ৱা পদ্ধতি	কেনেল পদ্ধতি/ ষ্টিকিং পদ্ধতিৰ দ্বাৰা							
5	মূল পথাৰৰ প্ৰস্ত	্যতি আৰু ৰোপণ	10 টন বিঘ্নিত FYM প্ৰয়োগ কৰক তাৰ পিছত মাটিত মিশ্ৰিত কৰিবলৈ হৰৰুইং কৰক। * বীজ সিঁচাৰ পথ তৈয়াৰ কৰক * বীজ সিঁচাৰ পথাৰত মৌলিক পৰিমাণৰ সাৰ প্ৰয়োগ কৰক আৰু সাৰক ঢাকি ৰাখক * বীজ সিঁচাৰ দুদিন আগতে পথাৰখন জলসিঞ্চন কৰক। * প্ৰতিডাল বীজত দুটাকৈ ডাবল দিয়ক, দ্ৰুত আৰু ভাল বীজানুৰ বাবে তৎক্ষণাং হালধীয়া জলসিঞ্চন দিয়ক							
6	ব্যৱধান		শাৰীৰে শাৰীলৈ (কেনেল) 240-300 ছেঃমিঃ; গছ-গছনি: 45 ছেঃমিঃ মাৰ্টি-150 ছেঃমিঃ শাৰীৰে শাৰী 30 ছেঃমিঃ গছ-গছনিৰ মাজত বাঁহ- গছনিৰ দ'ম ব্যৱহাৰ কৰা হয় আৰু উল্লম্বভাৱে ট্ৰেল কৰা হয়							
7	বীজ সিঁচাৰ আঃ	গতে বীজৰ শোধনীকৰণ	বীজ গাউচো (ইমিডো) 2 মিলি/কেজিৰ দ্বাৰা শোধন কৰা হয়।							
8	সাৰ আৰু সাৰু:	ৱা পদাৰ্থ	* বীজ সিঁচাৰ আগতে প্ৰাথমিক পালি: 30:40:40 কেজি NPK * বীজ সিঁচাৰ 30 দিনৰ পিছত প্ৰথম শীৰ্ষ কাপোৰ: 30 কেজি N * প্ৰথম পিকৰ পিছত দ্বিতীয় টপ ড্ৰেছিং: 25 কেজি N							
9	জলসিঞ্চনৰ সম	ময়সূচী	মাটিৰ প্ৰকাৰৰ ওপৰত নিৰ্ভৰ কৰি পথাৰখন জলসিঞ্চন কৰক। 5-6 দিনৰ অন্তৰালত এবাৰ হালধীয়া আৰু সঘনাই জলসিঞ্চন কৰাটো আদৰ্শ। বিশেষভাৱে ফুল ফলৰ সময়ত মূল অঞ্চলত পৰ্যাপ্ত আৰ্দ্ৰতা নিশ্চিত কৰক।							
10	অপতৃণ/ আন্তঃ	খেতি	দুখন হাতৰ গছ কাটিব লাগে। যেতিপথাৰবোৰ ঘাঁহবিহীন কৰি ৰাখক। বীজ সিঁচাৰ পিছত 30 আৰু 60 দিনত মাটি লগোৱা। দ্ৰাক্ষালতাত পৰিচালনা কৰাটো এক গুৰুত্বপূৰ্ণ দিশ							
11	ক্ষুদ্ৰ পুষ্টি/বৃদ্ধি বি	নিয়ন্ত্রক স্প্রে	ফলনশীলতা পৰ্যায়ত স্প্ৰে মাল্টিপ্লেক্স 1 গ্ৰাম/লিটাৰ ফুলনশীলতা পৰ্যায়ত ক্ষুদ্ৰ পুষ্টি 1 গ্ৰাম/লিটাৰ							
12	কীট-পতংগ আ	ৰু ৰোগ নিয়ন্ত্ৰণ	পাউডাৰী মিল্ডিউ: টেবুক-নাজল 50% + ট্রাইফ্লজিষ্ট্রবিন 25% WG (প্রতি লিটাৰত 0.5ৰ পৰা 1 গ্রাম) ডাউনি মিল্ডিউ: টেবুক-নাজল 50% + ট্রাইফ্লজিষ্ট্রবিন 25% WG (প্রতি লিটাৰত 0.5ৰ পৰা 1 গ্রাম) পাতৰ খনিজ: এবামেন্ট্রিন 1.8% EC(0.5ৰ পৰা 1 মিলি/লিটাৰ), ৰঙা কুমলীয়া ভেকুলী: ডেলটামেপ্রিন 5.56 % w/w SC (0.5 মিলি/লিটাৰ) প্রিপন্থ এফিড : ফ্লনিকমিড 50 % WG (0.5 গ্রাম/লিটাৰ) ফুচেৰিয়াম উইল্ট: কার্বেণ্ডাজিমৰ সৈতে ড্রেঞ্চ কৰক (1গ্রাম/লিটাৰ) ফুলেৰিয়াম উইল্ট: কার্বেণ্ডাজিমৰ সৈতে ড্রেঞ্চ কৰক (1গ্রাম/লিটাৰ) ফুলৰ মাখি: ফেৰ'মন ফান্দ ব্যৱহাৰ কৰক। ডেলটা মিপ্রিন 1 মিলি/লিটাৰ পথাৰত ৰোগ নিয়ন্ত্রণ আৰু ৰোগৰ বিষয়ে অধিক তথ্যৰ বাবে অনুগ্রহ কৰি আপোনাৰ স্থানীয় কৃষি বিষয়াৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক।							
13	শস্য চপোৱা		শস্য চপোৱাৰ বাবে প্ৰস্তুত ফল 65-70DAS। প্ৰতি 3-4 দিনৰ মূৰে মূৰে কোমল ফলসমূহ সংগ্ৰহ কৰক।							
15	প্রত্যাশিত উৎপ	দন	ভালদৰে পৰিচালিত শস্যৰ পৰা 10-12 টন/একাৰ ফল উৎপন্ন হয়।							
17	সংৰক্ষণ		পুৱা সোনকালে শস্য চপোৱা। 5-7 দিনৰ ভিতৰত বজাৰত মুকলি কৰাৰ বাবে ছাঁত ৰাখিব। সতেজ স্থানত (12-13°C, 85-90 আপেক্ষিক আৰ্দ্ৰতা) সংৰক্ষণ কৰক							
18	নকৰিবা		সুৰাৰ ভিন্তিত ৰাসায়নিক দ্ৰব্য ব্যৱহাৰ নকৰিব।							
19	কৰিবা									
টোকা	ওপৰৰ তথ্যসমূ কৰক।	হ সাধাৰণ পৰামৰ্শৰ বাবেহে দিয়া	হৈছে। বিশেষ অঞ্চলৰ সৈতে সম্পৰ্কিত বিশেষ পৰামৰ্শৰ বাবে, অনুগ্ৰহ কৰি আপোনাৰ স্থানীয় ৰাজ্যিক কৃষি বিভাগৰ সৈতে যোগাযোগ							
সাৱধানতা			প্ৰভাৱিত হ'ব পাৰে। সেয়েহে, পৰামৰ্শৰ বাবে আপোনাৰ স্থানীয় কৃষি বিষয়াৰ সৈতে যোগাযোগ কৰক। নিশ্চিত কৰক যে কেৱল উচ্চ মানৰ ৰ আৰু কীটনাশক ঔষধ ক্ৰয় কৰাৰ বিলবোৰ ৰাখক।							





ଲାଉ ଅଭ୍ୟାସର ପ୍ୟାକେଜ

ଅଭିନନ୍ଦନ! ଆପଣ ହ୍ରିଷ୍ଟାଇ ପରିବାରରୁ ସବୁଠାରୁ ଭଲ ଲାଭ ବିହନ ମଧ୍ୟରୁ ଗୋଟିଏ ବାଛିଛନ୍ତି। ହୁଷ୍ଟାଲର ଭଜମାନର ଲାଭ ବିହନ ଉତ୍ପାଦନ କରିବାରେ ବୃଢ଼ ଅଭିଷ୍ଟତା ଅଛି। ଏହି ବିହନଗୁଡ଼ିକ ବ୍ୟାପକ ଗବେଶଣାର ଫଳାଫଳ, ଯାହାର ଲକ୍ଷ୍ୟ ବିଭିନ୍ନ କୃଷି ଜଳବାୟୁ ପାଇଁ ଉପପୁତ୍ର ଭଳ-ଅମନକ୍ଷମ ହାଇତିଡ଼ ଫସଲ ବିକଣିତ କରିବା ଅଟୋ । ଖଞ୍ଚୀମାନେ ସର୍ଦ୍ଦୋକ ଗୁଣବଭାର ବିହନ ପାଇବା ନିଷ୍ଟିତ କରିବା ପାଇଁ ହ୍ରିଷ୍ଟାଲ୍ ବିହନ ଉତ୍ପାଦନ ସମୟରେ ନୃତନତମ ପ୍ରଯୁତ୍ତିବିଦ୍ୟା ଗ୍ରହଣ କରେ। ହ୍ରିଷ୍ଟାଲ୍ ବୋଚଲ ଲାଭ ବିହନ ଫେବିକ ଏବଂ ଅଜୈବଳ ଚାପ ପ୍ରତି ସହନଶୀଳତା ସହିତ ଉତ୍କୃଷ୍ଟ ଅକୁରୀକରଣ ଏବଂ ଭଜମ ଶତ୍ରି ପ୍ରଦାନ କରେ। ଉତ୍କୃଷ୍ଟ ଅମଳ ପାଇବା ପାଇଁ ଦୟାକରି ସର୍ବୌଜମ କୃଷି ପଦ୍ଧତି ଗ୍ରହଣ କରନ୍ତୁ। ନିସ୍ପଲିଖିତ ସାଧାରଣ ସୁପାରିଶଗୁଡ଼ିକ ପ୍ରଦି ନେବା ପୂର୍ବରୁ ଏହି ନେବାକୁ ଆମେ ଆପଣକୁ ଅନୁରୋଧ କରୁଛୁ।

ଲାଉ ହାଇତ୍ରିଡ୍	Hyb. ସୁପର୍ ବଟଲ୍, ମୃଦଳ	ଅଙ୍କିତ୍, Hyb. ମୃତୁଳ_, Hyb. SPS- 02					
ଅବଧି	120-130 DAS	120-130 DAS				,	
ଖରିପ	ହ	ହ					
ରବି	ହ	ହ					
ବସନ୍ତ	ช์	ହ	 	 			
ଜଳସେଚନର	ବୋରୱେଲ୍	ବୋରୱେଲ୍	 	 			

ଜଳସେଚନର	ବୋରୱେଲ୍ ବୋରୱେଲ୍											
		ଦୟାକରି ଧ୍ୟାନ ଦିଅନ୍ତୁ ଯେ ପାଣିପାଗ ପରିସ୍ଥିତି ଅନୁସାରେ ଫସଲର ବୃଦ୍ଧ ଏବଂ ପରିପକ୍ତା ଭିକ୍ନ ହୋଇପାରେ।										
କ୍ରମିକ ସଂଖ୍ୟା	ବିବରଣୀ / କାର୍ଯ୍ୟ / ଅଭ୍ୟାସ	କାର୍ଯ୍ୟର ବିବରଣୀ। ପ୍ରତି ଏକର ଇନପୂଟ୍										
1	କ୍ଷେତ୍ର/କୃଷି-ଜଳବାୟୁ କ୍ଷେତ୍ରର ଉପଯୁକ୍ତତା	ଦିନର ଚାପମାତ୍ରା 30-35°C ସେଲ୍ଟିୟସ। 18-22°C ସେଲ୍ଟିୟସ୍ ରାତିର ତାପମାତ୍ରା ସହିତ ଏକ ଲମ୍ବା ଭଷ୍ମ ଅବଧି ବୃଦ୍ଧି ଏବଂ ଫଳ ଗଠନ ପାଇଁ ଭଲ। ସର୍ବନିସ୍ପ ତାପମାତ୍ରା 18°C ସେଲ୍ଟିୟସରୁ କମ୍ ହେବା ଉଚିତ୍ୱ ନୁହେଁ।										
2	ଭୂମି। ମାଟି	ଭଲ ଜଳ ନିଷାସନ ହେଉଥିବା ବାଲିଆ ଦୋରସା ଏବଂ ପଡିଆ ମାଟି। ମାଟିର ପିଏଚ 5.5 ରୁ 6.5 ଆଦର୍ଶ ରହିବ ।										
3	ରତୁ ବୁଣିବା/ରୋପଣ ସମୟ	ଦକ୍ଷିଣ ଏବଂ ମଧ୍ୟ ଭାରତରେ ଅକ୍ଟୋବର-ନଭେମ୍ବର ମାସରେ। ମହୀରାଷ୍ଟ୍ରରେ ଜାନୁଆରୀ-ଫେବୃଆରୀ-ଜୁନ-ଜୁଲାଇ। ପାହୀଡ଼ି ଅଞ୍ଚଳରେ ଏପ୍ରିଲ-ମେ										
4	ବିହନ ହାର / ଏକର	ଏକର ପ୍ରତି 1.5-2.0 କିଲୋଗ୍ରାମ										
4	ବୁଣିବା/ରୋପଣ ପଦ୍ଧତି	କେଚାଲ ପଦ୍ଧତି / ଷ୍ଟେକିଂ ପଦ୍ଧତି ହାରା										
5	ପୁଖ୍ୟ କ୍ଷେତ ପ୍ରସ୍ତୁତି ଏବଂ ରୋପଣ	। ଓ ଟନ୍ ପତିଯାଇଥିବା ଏଫୱାଇଏମ୍ ପ୍ରୟୋଗ କରନ୍ତୁ ଏବଂ ଚା'ପରେ ମାଟିରେ ମିଶ୍ମଶ ପାଇଁ ହଳ କରନ୍ତୁ। * ବିହନ କେନାଲ ତିଆରି କରନ୍ତୁ * ବିହନ କେନାଲରେ ସାରର ମୂଳ ମାତ୍ରା ପ୍ରୟୋଗ କରନ୍ତୁ ଏବଂ ସାର ଘୋଡାଇ ଦିଅନ୍ତୁ। * ବୁଣ୍ଡବାର ଦୁଇ ଦିବ ପୂର୍ବରୁ କେନ୍ଦ୍ରେ ଜଳସେନ୍ତନ କରନ୍ତୁ। * ପ୍ରତି ପାହାଡ଼ରେ ଦୁଇଟି ବିହନ ବୁଣାଜୁ, ଶୀଘ୍ର ଏବଂ ଭଲ ଅକୁର ପାଇଁ ତୁରନ୍ତ ହାଲୁକା ଜଳସେଚନ ଦିଅନ୍ତୁ।										
6	ବ୍ୟବଧାନ	ଧାତିରୁ ଧାଡି (କେନାଲ) 240-300 ସେମି ସେମି; ଗଛରୁ ଗଛ: 45 ସେମି-ଭୂମି, ଧାଡି ମଧ୍ୟରେ 150 ସେମି, ଗଛ ମଧ୍ୟରେ 30 ସେମି-ବାର୍ଭଶ କିଳାରେ ବନ୍ଧୀ ଏବଂ ଭୂଲମ୍ଭ ଭାବରେ ଝୁଲନ୍ତା ଅବସ୍ଥାରେ ଲଗାଯାଇପାରିବୀ										
7	ବୁଣିବା ପୂର୍ବରୁ ବିହନ ଉପଚାର	ସିହନକୁ ଗାଭଟୋ (ଇମିଟୋ) 2 ମିଲି/କିଗ୍ରା ସହିତ ବିଶୋଧନ କରାଯାଏ।										
8	ଖତ ଏବଂ ସାର	ଂ ବୃଶିବା ପୂର୍ବରୁ ମୁଳ ମାତ୍ରା : 30:40:40 କିଲୋଗ୍ରାମ ଏନପିକେ (NPK) ଂ ବୃଶିବାର 30 ଦିନ ପରେ ପ୍ରଥମ ଟପ୍ ବ୍ରେସିଂ: 30 କିଲୋଗ୍ରାମ ନାଇଟ୍ରୋଜେନ ଂ ପ୍ରଥମ ଥର ପାଇଁ ବାଛିବା ପରେ ବ୍ୱିଟୀୟ ଟପ୍ ବ୍ରେସିଂ : 25 କିଲୋଗ୍ରାମ ନାଇଟ୍ରୋଜେନ										
9	ଜଳସେଚନ ସମୟସୂଚୀ	ମାଟିର ପ୍ରକାର ଉପରେ ନିର୍ଭର କରି କ୍ଷେତ୍ରକୁ ଜଳସେଚନ କରତ୍ର। 5-6 ଦିନ ବ୍ୟବଧାନରେ ଥରେ ହାଲୁକା ଏବଂ ବାରସାର ଜଳସେଚନ କରିବା ଉପଯୁକ୍ତ ଅଟେ। ବିଶେଷକରି ଫୁଲ ଫୁଟିବା ସମୟରେ, ମୂଳ ଅଞ୍ଚଳରେ ପର୍ଯ୍ୟାସ୍ତ ଆର୍ଦ୍ଧ୍ୱର ବଳାୟ ରଖିବା ନିର୍ଦ୍ଦିତ କରତ୍ର।										
10	ଘାସ ବାଛିବା/ଅନ୍ତଃଚାଷ	ଦୁଇ ଥର ହାତରେ ଘାସ ବାଛିବା ଆବଶ୍ୟକ। ଜମିକୁ ଘାସ ମୁକ୍ତ ରଖନ୍ତୁ। ବୁଶିବାର 30 ଏବଂ 60 ଦିନ ପରେ ମାଟି ଭଠାଇବା ଦରକାର। ଲତାକୁ ଜଗିବା ଏକ ଗୁରୁବ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ଦିଗ ଅଟେ										
11	ସ୍ୟୁ ପୋଷକ ତର୍/ବୃଦ୍ଧି ନିୟାମକ ସିଞ୍ଚନ	ଫଳ ଦେବା ଅବୟାରେ ମଲ୍ଟିସ୍ଲେକ୍ସ 1 ଗ୍ରାମ/ଲିଟର, ଫୁଲ ଫୁଟିବା ସମୟରେ ସୂକ୍ଷ୍ମ ପୋଷକ ଚର୍ଡ୍ 1 ଗ୍ରାମ/ଲିଟର ସିଞ୍ଚନ କରତ୍ତୁ ।										
12	କୀଟପତଙ୍ଗ ଏବଂ ରୋଗ ନିୟକ୍ତଣ	ପାଉତର ମିଲତିର: ଚେତୁକୋମାଜୋଲ 50% + ଟ୍ରୀଇଫ୍ଲୋକ୍ଟିଷ୍ଟୋବିନ 25% ଡବ୍ଲକ୍ଲ୍ୟଜି (WC) (ପ୍ରତି ଲିଟର 0.5 ରୁ 1 ଗ୍ରାମ) ଡାଉନି ମିଲତ୍ୟୁ: ଟେତୁକୋମାଜୋଲ 50% + ଟ୍ରୀଇଫ୍ଲୋକ୍ଟିଷ୍ଟୋବିନ 25% ଡବ୍ଲ୍ଲ୍ୟଜି (WC) (ପ୍ରତି ଲିଟର 0.5 ରୁ 1 ଗ୍ରାମ) ପତ୍ର ଖନନକାରୀ: ଆମନେକ୍ଟିମ୍ 1.8% ଇସି (EC) (0.5 ରୁ 1 ମିଲ/,ଲିଟର), ଲାଲ କାଷାରୁ ପୋକ: ଡେଲଟାନେଥୁନ୍ 5.5% ବବ୍ଲ୍ୟ୍ୟ/ଡବ୍ଲ୍ୟ (WC) ଏସିସି(SC) (0.5 ମିଲି/ଲିଟର) ଥିସ୍ପ , ଏଫକ୍ସ: ଫ୍ଲୋନିଗୋବିନ୍ 50% ବବ୍ଲ୍ୟୁଜି (WC) (0.5 ଗ୍ରାମ/ଲିଟର) ଫୁସାରିଅମ୍ ବିଲ୍, (ଝାଉଳା ରୋଗ): କାର୍ବେଣାଜିମ୍ (1 ଗ୍ରାମ/ଲିଟର) ଫୁସାରିଅମ୍ ବିଲ୍, (ଝାଉଳା ରୋଗ): କାର୍ବେଣାଜିମ୍ (1 ଗ୍ରାମ/ଲିଟର) ଫଳ ମାଛି: ଫେରୋମୋନ୍ ଫାଶ ବ୍ୟବହାର କରନ୍ତୁ । ଡେଲ୍ସ ମିଥୁନ୍ 1 ମିଲି/ଲିଟର										
13	ଅମଳ	ଫଳଗୁଡ଼ିକ 65-70 ଦିନରେ ଅମଳ ପାଇଁ ପ୍ରସ୍ତୁତ ହୋଇଯାଏ। ପ୍ରତି 3-4 ଦିନରେ ଥରେ କଅଁଳ ଫଳ ଅମଳ କରନ୍ତୁ ।										
15	ଆଶାକରାଯାଇଥିବା ଲାଭ	ଏକ ଭଲ ପରିଚାଳିତ ଫସଲରୁ ଏକର ପ୍ରତି 10-12 ଟନ୍ ଫଳ ମିଳିଥାଏ।										
17	ସଂରକ୍ଷଣ	ସିକାଳେ ଶାଘୁ ଅମଳ କରତ୍ର। ଏହାକୁ 5-6 ଦିନ ମଧ୍ୟରେ ବଳାରରେ ବିକ୍ରୟ କରିବା ପାଇଁ ଛାଇରେ ରଖତ୍ର। ସଂରକ୍ଷଣ ସମୟ ଦୃଷି କରିବା ପାଇଁ ଏକ ଥଣ୍ଡା ଛାନରେ ଏହାକୁ (12-13°C, 85- 90% ଆପେଞ୍ଜିକ ଆର୍ପ୍ରତା) ସଂରକ୍ଷଣ କରତ୍ର।										
18	କରନ୍ତୁ ନାହି	ସଲଫର ଆଧାରିତ ରାସାୟନିକ ପଦାର୍ଥ ବ୍ୟବହାର କରନ୍ତୁ ନାହିଁ ।										
19	କରନ୍ତୁ											
ଟିପ୍ସଣୀ		୫ଳର ଚିର୍ବିଷ୍ଟ ସୁପାରିଶ ପାଇଁ, ଦୟାକରି ଆପଣଙ୍କ ସ୍ଥାନୀୟ ରାଜ୍ୟ କୃଷି ବିଭାଗ ସହିତ ଯୋଗାଯୋଗ କରନ୍ତୁ।										
ସତର୍କତା	ଫସଲର ବୃଦ୍ଧି ଏବଂ ଅମଳ ବିଭିନ୍ନ କାରଣ ଦ୍ୱାରା ପ୍ରଭାବିତ ହୋ କରାଯାଉଛି। ବିହନ, ସାର ଏବଂ କୀଟନାଶକ କ୍ରୟ କରିବାର ଚ	ାଇପାରେ। ତେଣୁ, ପରାମର୍ଶ ପାଇଁ ଆପଣଙ୍କ ୟାଟୀୟ କୃଷି ଅଧିକାରୀଙ୍କ ସହିତ ପରାମର୍ଶ କରିବାକୁ ସୁସାରିଶ କରାଯାଉଛି। ନିଷ୍ଟିତ କରତ୍ର ସେ କେବଳ ଉଚ୍ଚମାନର ସାର ଏବଂ କୀଟନାଶକ ବ୍ୟବହାର ।ସିଦ ଆପଣଙ୍କ ପାଖରେ ରଖନ୍ତ।										





கரைக்காய் பயிரிடுதலுக்கான வழிகாட்டுதல்கள் மற்றும் தொழில்துட்பங்கள்
வாழ்த்துகள் கிரிஸ்டல் குடும்பத்தில் இருந்து மிகச் சிறந்த கரைக்காய் விதைகளில் ஒன்றைத் தேர்வு செய்துள்ளிகள். உயர் தர கரைக்காய் விதைகள் தயாரிப்பில் கிரிஸ்டல் நிறுவனம் மிகச் சிறந்த அனுபவம் கொண்டது.
இந்த விதைகள், பரவலான விவசாயக் காலநிலைகளுக்கு பொருந்தும் வகையில், அதிக மகதுல் தரும் கலப்பு தாவரங்களை உருவாக்குவதற்கான பரந்த ஆராய்ச்சியின் விளைவு ஆகும். கிரிஸ்டல், விவசாயிகள் மிக உயர் தரமான விதைகளைப் பெறுவதை உறுதி செய்வதற்காக விதை தயாரிப்பின் போது நவீன தொழில்நுட்பங்களைப் பயன்படுத்துகிறது. கிரிஸ்டலின் கரைக்காய் விதைகள் உயிரி சார் உயிரி சாரா தழல்களில் தாக்கு பிடிக்கும் வகையில் மிகச் சிறந்த முளைத்தல் & வலிமை கொண்டவை. மிகச் சிறந்த மகதலைப் பெறு, சிறந்த விவசாய நடைமுறைகளை மேற்கொள்ளுங்கள். பின்வரும் பொதுவான பரிந்துரைகள் வழங்கப்பட்டுள்ளது. எனவே, ஏதேனும் முடிவுகளை மேற்கொள்ளும் முன் இந்தப் பரிந்துரைகளைப் படிக்குமாறு கேட்டுக்கொள்கிறோம்.

கலப்பு	Hyb. தப்பர் பாட்டில்,	அங்கித், Hyb. மிருதுளா_, Hyb.														
சுரைக்காய்	மிருதுலா	SPS-02														
காலம் காரீப்	120-130 நாட்கள் ஆம்	120-130 நாட்கள் ஆம்	ļ				ļ				 	╁				
ராபி	ஆம்	ஆம்														
வசந்த காலம்	ஆம்	ஆம்														
பாசன												-				
ஆதாரம்	போர்வெல்	போர்வெல்	Ourafi	(DO) # 10/	is managin (). IEMIĖE.	ungir olar	ர்ர் சி உபவ	சிர்ர்சி பவர	muu overio	a dirum II		கவனத்தில் கொள்ளுங்கள்			
வ.எண்.	விவரங்கள் / செ	யல்பாடுகள் / செ		10760 Grippe		றைக்கான றைக்கான						90	one of the state o			
1	பொருந்துகின்ற ப மண்டலம்	ரப்பளவு/ விவசாய	ப-காலநிசை	ນ	பகலில் 30		பநிலை செ	காண்ட ஒடு	ந நீண்ட செ	வப்ப கால		Cவ	யரையிலான இரவு வெப்பநிலை வளர்ச்சி மற்றும் பழம் வைப்பதற்கு ஏற்றது.			
2	நிலம். மண்				நீர் தேங்க	ாத மணற்ப	பாங்கான ப	பசளை மற்	றும் வண்	டல் மண்.	மண்ணின்	ðT p⊦	oH 5.5 முதல் 6.5 இருத்தல் நல்லது.			
3	பருவம். விதைத்த	தல்/நாற்று நடுவத	ற்கான நே	ſώ	தெற்கு ம	ற்றும் மத்த	பெ இந்திய	பாவில் அச்	டோபர்-ந	யம்பர் வன	ர. மகாரா	ால்தம	டிராவில் ஜனவரி-பிப்ரவரி/ஜூன்-ஜூலை. மலை பகுதிகளில் ஏப்ரல்-மே			
4	விதை வீதம்/ ஏக்	கர்			ஏக்கருக்கு	1.5-2.0 கி ே	லா									
4	விதைத்தல்/நாற்று	நடும் முறை.			கால்வாய்	முறை/ அ	டுக்கு மு	ത്ത								
5	பிரதான நிலம் ம	ற்றும் நாற்று நடு	வதற்கான ந	தயாரிப்பு	10 டன்கள் சிதைந்த தொழு உரம் (FYA) உரத்தை போட்டு அவை மண்ணில் கலக்க நிலத்தை நன்றாக பண்படுத்துங்கள். • விதைப்பு கால்வாய்களை உருவாக்குங்கள் • விதைப்பு கால்வாய்களில் உரங்களின் அடி அளவை போட்டு உரத்தை மூடி விடுங்கள் • விதைப்பிற்கு இரண்டு நாட்கள் முன் நிலத்தில் நீர் பாய்க்கங்கள். • ஒரு மேட்டுக்கு இரண்டு விதையை ஊன்ற வேண்டும், விரைவான மற்றும் சிறந்த முளைத்தலுக்கு உடனடியாக லேசாக நீர் பாய்ச்ச வேண்டும்.											
6	இடைவெளி				வரிசை முதல் வரிசை வரை (கால்வாய்) 240-300 செமீ; தாவரம் முதல் தாவரம் வரை: 45 செமீ.நிலம்.150 செமீ. வரிசைகளுக்கு இடையில் 30 செமீ தாவரங்களுக்கு இடையில் மூங்கில் குச்சிகளை அடுக்கி செங்குத்தாக தொங்க விட வேண்டும்.											
7	விதைப்பதற்கு மு	மன்பான விதை த	பாரிப்பு		கிலோவிற்கு 2 மிலி வீதம் விதையை கௌச்சோ (இமிடோ) உடன் கலக்க வேண்டும்											
8	எருக்கள் மற்றும்	உரங்கள்			் விதைப்பதற்கு முந்தைய அடி உரம் : 30-40-40 கிலோ என்பிகே (NPK) - முதல் மேல் உரமிடுதல் விதைத்த 30 நாட்களுக்கு பின்: 30 கிலோ N - இரண்டாம் மேல் உரயிடுதல் முதல் நடவிற்கு பின் : 25 கிலோ N											
9	பாசன அட்டவகை	ioot			மண்ணின் தன்மை பொறுத்து நிலத்தில் நீர் பாய்ச்ச வேண்டும். ss நாட்கள் இடைவெளியில் லேசான மற்றும் அடிக்கடி நீர் பாய்ச்ச வேண்டும். பூ. பழம் வைக்கும் நிலையில், வேர் பகுதியில் போதுமான ஈரப்பதம் இருப்பதை உறுதி செய்யுங்கள்.											
10	களை அகற்றுதல்	/ ஊடு பயிரிடுதல்			இரண்டு கைகளால் களைகள் பறிக்கப்பட வேண்டும். நிலத்தில் களைகள் இல்லாமல் வைத்திடுங்கள். விதைத்த 30 மற்றும் 80 நாட்களுக்குப் பிறகு மண்ணை குவித்திடுங்கள். கொடியைப் படர விடுதல் ஒரு நுணுக்கமான அம்சமாகும்											
11	நுண் ஊட்டச்சத்து தெளிப்புகள்	J/வளர்ச்சியை ஒழு 	ழங்குபடுத்த	فال	பிஞ்சு வைக்கும் நிலையில் லிட்டருக்கு 1 கிராம் மல்டிபிளக்ஸை (Multiples) மற்றும் பூ வைக்கும் நிலையில் லிட்டருக்கு 1 கிராம் நுண்ணூட்டத்தை தெளிக்க வேண்டும்											
12	பூச்சி மற்றும் நே	ாம் கட்டுப்பாடு		சாம்பல் நோய்: டெபுகோனசோல் 50% + டிரைபிளாக்சிஸ்ட்ரோயின் 25% டபிள்யுஜி (WG) (லிட்டருக்கு 0.5 முதல் 1 கிராம்) அடிச்சாம்பல் நோய்: டெபுகோனசோல் 50% + டிரைபிளாக்சிஸ்ட்ரோபின் 25% டபிள்யுஜி (WG) (லிட்டருக்கு 0.5 முதல் 1 கிராம்) இலை துளைப்பான்: அபாமெக்டின் 1.3% இசி (EC) (லிட்டருக்கு 0.5 முதல் 1 மிலி), சிவப்பு பூசணி வண்டு: டெட்டாமெத்ரின் 5.5% ww எஸ்சி (SC) (லிட்டருக்கு 0.5 மிலி) இலைப்பேன்கள் 7 செடிப்பேன்கள் : ஃப்ளோனிகாமிட் 50% WG (லிட்டருக்கு 0.5 கிராம்) பியூசேரியம் வாடல் நோய்: கார்பண்டாகிம். இல் முக்கி எடுக்கள் (லிட்டருக்கு 1 கிராம்) யுழ rs: பெரோமோன் டிராப்களைப் பயன்படுத்துங்கள். டெல்டா மெத்ரின் லிட்டருக்கு 1 மிலி												
													விவசாய அலுவலர்களுடன் ஆலோசியுங்கள்.			
13	அறுவடை				பழங்கள்	55-70 நாட்க	ளில் அறு	வடைக்குத்	தயாராகி	விடுகின்ற	ன. 3-4 ந	БПĊ	.களுக்கு ஒருமுறை சதைப்பற்றுள்ள பழங்களை அறுவடை செய்யுங்கள்.			
15	எதிர்பார்க்கப்படும்	மகதல்											2 டன் பழ மக்தலைப் பெறலாம்			
17	சேமிப்பகம்					பயில் அறு ர இடத்தில்							த பழங்களை நிழலில் வைத்திடுங்கள். சேமிப்பக வாழ்நாளை நீட்டிக்க, ஒரு			
18	செய்யக்கூடாதனை				சல்பர் அம	ப்படையி	லான வேத்	ியியல் டெ	ாருட்களை	ரப் பயன்ப(டுத்தக் கூட	LLITÉ	[5].			
19	செய்ய வேண்டிய							0.								
குறிப்பு	மேற்கண்ட தகவ	ல் ஒரு பொதுவா	ன அறிவுறு	த்தல். குறி	انائائد بو	ததிக்கான :	தனிப்பட்ட	பரிந்துரை	களுக்கு, உ	_ங்களது ம	ாநிலத்தில்	လ် ဋ	இருக்கும் உள்ளுர் விவசாயத் துறையைத் தொடர்பு கொள்ளுங்கள்.			
முன்னெச்ச ரிக்கை நடவடிக் கைகள்													அலுவலரைச் சந்தித்து பேசுவது பரிந்துரைக்கப்படுகிறது. உயர் தர உரங்கள் ல்லிகள் வாங்கிய ரசீதுகளைத் தக்க வைத்துக்கொள்ளுங்கள்.			





ਲੌਕੀ ਦੀ ਕਾਸ਼ਤ ਦਾ ਤਰੀਕਾ

ਵਧਾਈਆਂ ਹੋਣ! ਤੁਸੀਂ ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਪਰਿਵਾਰ ਵਿੱਚੋਂ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਲੌਕੀ ਦੇ ਬੀਜਾਂ ਵਿੱਚੋਂ ਇੱਕ ਬੀਜ ਚੁਣਿਆ ਹੈ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਕੋਲ ਉੱਚ ਗੁਣਵੱਤਾ ਵਾਲੇ ਲੌਕੀ ਦੇ ਬੀਜ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਦਾ ਵਿਆਪਕ ਤਜਰਬਾ ਹੈ। ਇਹ ਬੀਜ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਵਧ ਰਹੇ ਮੌਸਮਾਂ ਲਈ ਵਾਜਬ ਉੱਚ-ਉਪਜ ਦੇਣ ਵਾਲੀਆਂ ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ ਫਸਲਾਂ ਬਣਾਉਣ ਦੇ ਉਦੇਸ਼ ਨਾਲ ਵਿਆਪਕ ਖੋਜ ਦਾ ਨਤੀਜਾ ਹਨ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਬੀਜ ਦੇ ਉਤਪਾਦਨ ਦੌਰਾਨ ਨਵੀਨਤਮ ਤਕਨਾਲੋਜੀ ਅਪਣਾਉਂਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਕਿ ਇਹ ਗੱਲ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਈ ਜਾ ਸਕੇ ਕਿ ਕਿਸਾਨਾਂ ਨੂੰ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਗੁਣਵੱਤਾ ਵਾਲੇ ਬੀਜ ਮਿਲ ਸਕਣ। ਕ੍ਰਿਸਟਲ ਦੀ ਲੌਕੀ ਦੇ ਬੀਜ ਜੈਵਿਕ ਅਤੇ ਅਜੈਵਿਕ ਤਰਣਾਅ ਦੇ ਉਤੇ ਸਹਿਣਸ਼ੀਲਤਾ ਦੇ ਨਾਲ ਸ਼ਾਨਰਾਰ ਵਿਕਾਸ ਅਤੇ ਰਾਜ਼ਕਤੀ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕਰਦੇ ਹਨ।

ਬੰਗੀ ਪੈਦਾਵਾਰ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨ ਲਈ ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧੀਆ ਖੇਤੀ ਅਭਿਆਸਾਂ ਦਾ ਪਾਲਣ ਕਰੋ। ਹੇਠਾਂ ਕੁਝ ਆਮ ਸੁਝਾਅ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਹਨ, ਇਸ ਲਈ ਅਸੀਂ ਤੁਹਾਨੂੰ ਬੇਨਤੀ ਕਰਦੇ ਹਾਂ ਕਿ ਕੋਈ ਵੀ ਫੈਸਲਾ ਲੈਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਉਹਨਾਂ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹੋ।

ਹਾਈਬ੍ਰਿਡ ਲੈਕੀ	ਹਾਇਬ੍ਰਿਡ . ਸੁਪਰ ਬਾਟਲ' ਮ ੍ ਰਦੁਲਾ	ਅੰਕਿਕ' ਹਾਇਬ੍ਰਿਫ. ਮ੍ਰਿਦੁਲਾ_' ਹਾਇਬ੍ਰਿਫ਼. ਏਸਪੀਏਸ –੦੨' ਹਾਇਬ੍ਰਿਫ਼. ਏਸਪੀਏਸ –੦੨	
ਮਿਆਦ	120-130 DAS	120-130 DAS	
ਖ਼ਰੀਫ ਰਬੀ	ਹਾਂ ਹਾਂ	ਹਾਂ ਹਾਂ	
ਸਪ੍ਰਿੰਗ ਸਿੰਚਾਈ ਦਾ ਸ	ਹਾਂ ਬੋਰਵੈੱਲ	ਹਾਂ ਬੇਰਵੈੱਲ	
IND.SI C. N	40.50		ਰਿਪਾ ਕਰਕੇ ਧਿਆਨ ਦਿਓ ਕਿ ਫਸਲ ਦਾ ਵਾਧਾ ਅਤੇ ਪਰਿਪੱਕਤਾ ਮੈਸਮ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਹੋ ਸਕਦੀ ਹੈ।
ਸੀਰੀਅਲ ਨੰ.	਼ ਵੇਰਵੇ/ਕਾਰਜ/ਅਭਿਆਸ		ਕੰਮਕਾਜ ਦੇ ਵੇਰਵੇ। ਪ੍ਰਤੀ ਏਕੜ ਇਨਪੁਟ
1	ਖੇਤੀਬਾੜੀ-ਜਲਵਾਯੂ ਖੇਤਰ ਅਤੇ ਸਥਾਨ ਦੀ ਅਨੁਕੂਲਤਾ		ਦਿਨ ਦੇ ਤਾਪਮਾਨ 30-350C ਅਤੇ ਰਾਤ ਦੇ ਤਾਪਮਾਨ 18-220C ਦੇ ਨਾਲ ਲੰਬੇ ਸਮੇਂ ਤੱਕ ਗਰਮ ਮੌਸਮ ਬੂਟਿਆਂ ਦੇ ਵਾਧੇ ਅਤੇ ਫਲ ਦੇਣ ਲਈ ਅਨੁਕੂਲ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਘੱਟੋ-ਘੱਟ ਤਾਪਮਾਨ 180C ਤੋਂ ਘੱਟ ਨਹੀਂ ਹੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ।
2	ਜ਼ਮੀਨ। ਮਿੱਟੀ		ਚੰਗੀ ਨਿਕਾਸ ਵਾਲੀ ਚੇਤਲੀ ਦੋਮਟ ਅਤੇ ਜਲੇੜ ਵਾਲੀ ਮਿੱਟੀ। ਮਿੱਟੀ ਦਾ ਆਦਰਸ਼ Ph 5.5 ਤੋਂ 6.5 ਹੈ।
3	ਮੌਸਮ। ਬਿਜਾਈ/ਲਗਾਉਣ ਦਾ ਸਮਾਂ		ਆਦਰਸ਼ ਮਿੱਟੀ ਦਾ pH 5.5-6.5 ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਮਹਾਰਾਸ਼ਟਰ ਵਿੱਚ ਜਨਵਰੀ-ਫਰਵਰੀ-ਜੂਨ-ਜੁਲਾਈ। ਪਹਾੜੀ ਖੇਤਰਾਂ ਵਿੱਚ ਅਪ੍ਰੈਲ-ਮਈ
4	ਬੀਜ ਦੀ ਦਰ/ਏਕੜ		1.5-2.0 ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ/ਏਕੜ
4	ਬਿਜਾਈ/ਲਾਉਣ ਦਾ ਤਰੀਕਾ।		ਨਹਿਰ ਰਾਹੀਂ / ਬੰਮ੍ਹ ਲਗਾ ਕੇ
5	ਮੁੱਖ ਖੇਤ ਦੀ ਤਿਆਰੀ ਅਤੇ ਬਿਜਾਈ		10 ਟਨ ਸੜੀ ਹੋਈ ਰੂੜੀ ਦੀ ਖਾਦ ਪਾਓ ਅਤੇ ਹੱਲ ਚਲਾ ਕੇ ਇਸਨੂੰ ਮਿੱਟੀ ਵਿੱਚ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਮਿਲਾਓ। * ਬੀਜ ਬੀਜਣ ਲਈ ਚੈਨਲ ਬਣਾਓ * ਬਿਜਾਈ ਵਾਲੇ ਚੈਨਲਾਂ ਵਿੱਚ ਖਾਦ ਨੂੰ ਮੁੱਢਲੀ ਖੁਰਾਕ ਵਜੋਂ ਪਾਓ ਅਤੇ ਮਿੱਟੀ ਨਾਲ ਢੱਕ ਦਿਓ। * ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਦੋ ਦਿਨ ਪਹਿਲਾਂ ਖੇਤ ਦੀ ਸਿੰਚਾਈ ਕਰੋ। * ਪ੍ਰਤੀ ਟਿੱਲਾਂ ਦੋ ਬੀਜ ਬੀਜੋ, ਜਲਦੀ ਅਤੇ ਬਿਹਤਰ ਪੁੰਗਰਣ ਲਈ ਤੁਰੰਤ ਹਲਕੀ ਸਿੰਚਾਈ ਕਰੋ।
6			ਲਾਈਨ ਤੋਂ ਲਾਈਨ (ਕਨਾਲ) 240-300 ਸੈਂਟੀਮੀਟਰ; ਬੂਟੇ ਤੋਂ ਬੂਟਾ: 45 ਸੈਂਟੀਮੀਟਰ-ਜ਼ਮੀਨ। ਲਾਈਨ ਦੇ ਵਿੱਚ 150 ਸੈਂਟੀਮੀਟਰ, ਬੂਟਿਆਂ ਦੇ ਵਿੱਚ 30 ਸੈਂਟੀਮੀਟਰ-ਬਾਂਸ ਦੇ ਡੰਡਿਆਂ ਨਾਲ ਬੰਨ੍ਹ ਕੇ ਸਿੱਧਾ ਲਗਾਇਆ ਹੋਇਆ।
7	ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਬੀਜ ਦਾ ਉਪਚਾਰ		Gaucho (Imido) 2 ਮਿ.ਲੀ./ ਕਿਲੋਗ੍ਰਾਮ ਨਾਲ ਬੀਜਾਂ ਦਾ ਉਪਚਾਰ ਕਰੋ।
8	ਜੈਵਿਕ ਅਤੇ ਰਸਾਇਣਕ ਖਾਦ		* ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਮੂਲ ਖੁਰਾਕ: 30:40:40 ਕਿਲੇਗ੍ਰਾਮ NPK * ਬਿਜਾਈ ਤੋਂ 30 ਦਿਨਾਂ ਬਾਅਦ ਪਹਿਲੀ ਟਾਪ ਡ੍ਰੈਸਿੰਗ: 30 ਕਿਲੇਗ੍ਰਾਮ ਨਾਈਟ੍ਰੇਜਨ * ਪਹਿਲੀ ਵਾਢੀ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਦੂਜੀ ਟਾਪ ਡ੍ਰੈਸਿੰਗ: 25 ਕਿਲੇ ਨਾਈਟ੍ਰੇਜਨ
9	ਸਿੰਚਾਈ ਦੀ ਸਮਾਂ-ਸਾਰਈ		ਮਿੱਟੀ ਦੀ ਕਿਸਮ ਦੇ ਆਧਾਰ 'ਤੇ ਖੇਤ ਦੀ ਸਿੰਚਾਈ ਕਰੋ। 5-6 ਦਿਨਾਂ ਦੇ ਅੰਤਰਾਲ 'ਤੇ ਇੱਕ ਵਾਰ ਹਲਕੀ ਅਤੇ ਵਾਰ-ਵਾਰ ਸਿੰਚਾਈ ਕਰਨਾ ਸਹੀ ਰਹਿੰਦਾ ਹੈ। ਖਾਸ ਕਰਕੇ ਫੁੱਲਾਂ ਦੇ ਦੌਰਾਨ, ਜੜ੍ਹ ਵਾਲੇ ਖੇਤਰ ਦੇ ਆਲੇ-ਦੁਆਲੇ ਕਾਫ਼ੀ ਨਮੀ ਬਣਾਈ ਰੱਖੋ।
10	ਖੇਤ ਦੀ ਨਦੀਨ-ਨਾਸ਼ਕੀ/ ਰੁਕ-ਰੁਕ ਕੇ ਵਾਹੀ		ਦੋ ਵਾਰ ਹੱਥ ਨਾਲ ਘਾਹ ਕੱਢਣਾ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ। ਖੇਤ ਵਿੱਚ ਕਿਸੇ ਵੀ ਕਿਸਮ ਦੀ ਨਦੀਨ ਨਾ ਉੱਗਣ ਦਿਓ। 30 ਅਤੇ 60 ਦਿਨਾਂ ਬਾਅਦ, ਬੂਟਿਆਂ ਦੇ ਆਲੇ-ਦੁਆਲੇ ਮਿੱਟੀ ਭਰ ਦਿਓ। ਵੇਲ ਨੂੰ ਸਹੀ ਦਿਸ਼ਾ ਵਿੱਚ ਉਗਾਉਣਾ ਬਹੁਤ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੈ।
11	ਪੌਸ਼ਟਿਕ ਤੱਤਾਂ/ਵਿਕਾਸ ਰੈਗੂਲੇਟਰਾਂ ਦਾ ਛਿੜਕਾਅ		ਫਲਾਂ ਦੇ ਵਿਕਾਸ ਦੌਰਾਨ 1 ਗ੍ਰਾਮ/ਲੀਟਰ ਮਲਟੀਪਲੈਕਸ ਅਤੇ ਫੁੱਲਾਂ ਦੇ ਸਮੇਂ 1 ਗ੍ਰਾਮ/ਲੀਟਰ ਪੇਂਸ਼ਟਿਕ ਤੱਤਾਂ ਦਾ ਛਿਤਕਾਅ ਕਰੋ
12	ਕੀਟ ਅਤੇ ਰੋਗ ਨਿਯੰਤਰਣ		ਪਾਉੜਗੀ ਫ਼ਰੂੰਦੀ ਚੇਗ ਲਈ: ਟੈਬੂਕੇਨਾਜ਼ੇਲ 50% + ਟ੍ਰਾਈਫਲੋਕਸੀਸਟ੍ਰੇਬਿਨ 25% WG (0.5 ਤੋਂ 1 ਗ੍ਰਾਮ ਪ੍ਰਤੀ ਲੀਟਰ) ਫਾਊਨੀ ਫ਼ਰੂੰਦੀ ਚੇਗ ਲਈ: ਟੈਬੂਕੇਨਾਜ਼ੇਲ 50% + ਟ੍ਰਾਈਫਲੋਕਸੀਸਟ੍ਰੇਬਿਨ 25% WG (0.5 ਤੋਂ 1 ਗ੍ਰਾਮ ਪ੍ਰਤੀ ਲੀਟਰ) ਪੜੇ ਖਾਣ ਵਾਲੇ ਗੋੜਿਆਂ ਨੂੰ ਕੰਟਰੋਲ ਕਰਨ ਲਈ: ਅਬਾਮੇਕਟਿਨ 1.8% EC (0.5-1 ਸਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ) ਚੈੱਡ ਪੇਪਕਿਨ ਸ਼ੀਟਲ ਲਈ: ਫੈਲਟਾਮੇਬਰਿਨ 5.56 % w/w SC (0.5 ਸਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ) ਬ੍ਰਿਪਸ) ਏਫਿਡ ਲਈ: ਫਲੇਨੀਕਾਮਿਡ 50% WG (0.5 ਗ੍ਰਾਮ/ਲੀਟਰ) ਬ੍ਰਿਪਸ) ਏਫਿਡ ਲਈ: ਫਲੇਨੀਕਾਮਿਡ 50% WG (0.5 ਗ੍ਰਾਮ/ਲੀਟਰ) ਫਿਊਜ਼ੇਗੀਅਮ ਵਿਲਟ ਰੇਗ ਨੂੰ ਕੰਟਰੋਲ ਕਰਨ ਲਈ, ਮਿੱਟੀ ਦਾ ਉਪਚਾਰ ਕਾਰਬੈਡਾਜ਼ਿਮ (1 ਗ੍ਰਾਮ/ਲੀਟਰ) ਨਾਲ ਕਰੇ ਫਲਾ ਦੀ ਮੱਖੀ ਨੂੰ ਕੰਟਰੋਲ ਕਰਨ ਲਈ: ਫੇਰੋਮੇਨ ਜਾਲ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰੇ। 1 ਮਿ.ਲੀ./ਲੀਟਰ ਦੀ ਦਰ ਨਾਲ ਡੈਲਟਾਮੇਬ੍ਰੀਨ ਦਾ ਛਿੜਕਾਅ ਕਰੇ ਖੇਤ ਵਿੱਚ ਬਿਮਾਰੀ ਅਤੇ ਨਿਯੰਤਰਣ ਬਾਰੇ ਵਧੇਰੇ ਜਾਣਕਾਰੀ ਲਈ, ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਅਧਿਕਾਰੀ ਦੀ ਸਲਾਹ ਲੳ।
13	ਵਾਚੀ		ਕਲ 65-70 DAS ਵਿੱਚ ਵਾਢੀ ਲਈ ਤਿਆਰ ਹੁੰਦੇ ਹਨ। 3-4 ਦਿਨਾਂ ਦੇ ਅੰਤਰਾਲ 'ਤੇ ਨਰਮ ਫਲ ਤੋੜੋ।
15	ਅਨੁਮਾਨਿਤ ਝਾੜ		ਚੰਗੇ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਵਿੱਚ, ਇਹ ਫ਼ਸਲ 10-12 ਟਨ/ਏਕੜ ਝਾੜ ਦੇ ਸਕਦੀ ਹੈ।
17			ਸਵੇਰੇ ਜਲਦੀ ਵਾਢੀ ਕਰੋ। ਫ਼ਸਲ ਨੂੰ ਛਾਂ ਵਿੱਚ ਰੱਖੇ ਅਤੇ 5-7 ਦਿਨਾਂ ਦੇ ਅੰਦਰ-ਅੰਦਰ ਵੇਚ ਦਿਓ। ਇਸਨੂੰ 12-13°C ਤਾਪਮਾਨ ਅਤੇ 85-90% ਨਮੀ ਵਾਲੀ ਠੰਢੀ ਜਗ੍ਹਾ 'ਤੇ ਸਟੇਰ ਕਰੇ ਤਾਂ ਜੋ ਸਟੇਰੇਜ ਲਾਈਫ ਵਧਾਈ ਜਾ ਸਕੇ।
			ਸਲਫਰ-ਅਧਾਰਤ ਰਸਾਇਣਾਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਨਾ ਕਰੋ।
19 ਨੇਟ	ਕੀ ਕਰੋ ਇਹ ਜਾਣਕਾਰੀ ਸਿਰਫ਼ ਆਮ ਜਾਣਕਾਰੀ ਲਈ ਹੈ। ਕਿਸੇ ਖਾਸ ਖੇਤਰ ਲਈ ਖ		ਈ ਖਾਸ ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ਾਂ ਲਈ, ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਰਾਜ ਦੇ ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਵਿਭਾਗ ਨਾਲ ਸੰਪਰਕ ਕਰੇ।
ਸਾਵਧਾਨੀਆਂ	ਕਈ ਕਾਰਨਾਂ ਕਰਕੇ ਫ	ਸਲਾਂ ਦਾ ਵਾਧਾ ਅਤੇ ਝਾੜ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹ	ਹੈ। ਇਸ ਲਈ, ਸਲਾਹ ਲਈ ਆਪਣੇ ਸਥਾਨਕ ਖੇਤੀਬਾਤੀ ਅਧਿਕਾਰੀ ਨਾਲ ਗੱਲ ਕਰਨ ਦੀ ਸਲਾਹ ਦਿੱਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਇਹ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਓ ਕਿ ਸਿਰਫ਼ ਚੰਗੀ ਕੁਆਲਿਟੀ ਦੀਆਂ ਖਾਦਾਂ ਅਤੇ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕਾਂ ਦੀ
न स्थाला	ਵਰਤੋਂ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇ। ਬੀ	ਜ, ਖਾਦ ਅਤੇ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕਾਂ ਦੀ ਖਰੀਦ ਦੇ ਬਿੱਲਾਂ	ਨੂੰ ਸੰਭਾਲ ਕੇ ਰੇਖੇ।